राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 161 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, गुरूवार, 23 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

योगी बोले, देश की सेना रक्षा करना जानती है और सर्जिकल स्ट्राइल करना भी

(संवाददाता)

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है। इस दौरान मुख्य अतिथि सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तब एक नए भारत की तस्वीर हम सबके सामने है। यही भारत जो दूसरे देशों पर दवाओं के लिए निर्भर रहता था। लेकिन कोरोना जैसी महामारी में भारत ने दूसरे देशों को वैक्सीन और पीपीई किट मुहैया कराकर बड़ा उदाहरण पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को हम साकार होते देख रहे हैं। हर गरीब को घर, राशन, बिजली और शौचालय दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, नया भारत

है जो अपनी आस्था के सम्मान के साथ ही देश की सीमाओं की सुरक्षा भी करते हैं। हम आत्मनिर्भर भी हुए हैं और आत्मसम्मान के लिए एयरस्ट्राइक भी करते हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम के तहत केडी सिंह बाबू स्टेडियम में छात्र- छात्राओं ने देश का मानचित्र बनाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सीएम योगी आदित्यनाथ यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा, आजादी के अमृत महोत्सव के आज के इस कार्यक्रम में मंचासीन अमर शहीदों के परिजन, सभी जनप्रतिनिधिगणों, अतिथिगणों व विभिन्न संस्थाओं से उपस्थित छात्र-छात्राओं को हृदय से बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन लखनऊ को देश की आजादी के अमृत महोत्सव से जोड़ रहा है। देश की आजादी के लंबे संघर्ष की कीमत को हमारी वर्तमान व भावी पीढ़ी समझ सके, इसे ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम देश में शुरू किया।

देश में अलग-अलग समय में आजादी का आन्दोलन चलता रहा, लेकिन सामूहिक प्रयास वर्ष 1857 के प्रथम स्वातन्त्र्य समर में देखने को मिला था। इस प्रथम स्वातन्त्र्य समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नया भारत अपनी आस्था के सम्मान के साथ ही देश की सीमाओं की सुरक्षा भी करता है. हम आत्मनिर्भर भी हुए हैं, आत्मसम्मान के लिए एयरस्ट्राइक भी करते हैं. पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को हम साकार होते देख रहे हैं. हर गरीब को घर, राशन, बिजली और शौचालय दिया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि यह अमृत काल हमारे लिए प्रेरणा है-स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और स्वतंत्र भारत में देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर शहीदों के त्याग और बलिदान की. यह संकल्प है आगे बढ़ने का, यह अवसर है आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने का। सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत में अलग-अलग समय आजादी का आंदोलन चलता रहा, लेकिन सामूहिक प्रयास साल 1857 के प्रथम स्वातन्त्र्य समर में देखने को मिला था. इस प्रथम स्वातन्त्र्य समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश था. यह आयोजन लखनऊ को देश की आजादी के अमृत महोत्सव से जोड़ रहा है. देश की आजादी के लंबे संघर्ष की कीमत को हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ी समझ सके, इसे देखते हुए पीएम मोदी ने आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम देश में शुरू किया। लखनऊ में 'आजादी का अमृत महोत्सव'सीएम योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में मंचासीन अमर शहीदों के परिजन, सभी जनप्रतिनिधिगणों, अतिथिगणों और विभिन्न संस्थाओं से उपस्थित छात्र-छात्राओं को बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले यहां पर अराजकता थी। गरीब लोगों को मकान नहीं मिलता था, स्कूलों की स्थिति अत्यंत जरजर थी, खनन माफ्रिया, भू-माफ्रिया हावी होकर लोगों को शोषण करते थे, लोग बिजली के लिए तरसते थे। लेकिन हमारी सरकार बनने के बाद आज यहां हर घर नल के साथ हर घर बिजली, सब मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई सोचता था कि सोनभद्र में भी मेडिकल कॉलेज बनेगा, अब तो यहां मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास भी हो गया है। उन्होंने कहा कि अब वो सपना भी सरकार हो गया है क्योंकि डबल इंजन की सरकार है और मोदी जी का नेतृत्व है। डबल इंजन सरकार, डबल काम। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनभद्रवासी ही नहीं बल्कि नेपाल तक के लोगों को सोनभद्र मेडिकल कॉलेज का फायदा मिलेगा।

300 करोड़ रुपए की लागत से 500 बेड क्षमता का हॉस्पिटल बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां मेडिकल की पढ़ाई के लिए देश में कहीं भटकना नहीं पड़ेगा, इसी जनपद में यह सुविधा होगी। हम जन विश्वास यात्रा लेकर ये सौगात सोनभद्र के लिए लेकर आए हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीयू के घटक कॉलेजों में शिक्षण के कुल 3959 पद रिक्त: सरकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को संसद में बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी घटक कॉलेजों में शिक्षण के 3,900 से अधिक पद रिक्त है और वर्तमान में 3,000 से अधिक तदर्थ शिक्षक काम कर रहे हैं। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री सुभाष सरकार ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी घटक कॉलेजों में शिक्षण के कुल 3959 पद रिक्त हैं और वर्तमान में 3047 शिक्षक रिक्त शिक्षण पदों के विरुद्ध तदर्थ आधार पर काम कर रहे हैं।'' सरकार ने कहा कि सबसे अधिक 216 खाली पद गार्गी कॉलेज में है जबकि जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में 169 पद और रामजस कॉलेज में 143 पद खाली हैं। इसी प्रकार देशबंधु कॉलेज में 132 और श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में 131 पद खाली हैं।

भीषण सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत

फिरोजाबाद (एजेंसी)। यूपी के फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज क्षेत्र में आगरा-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार तड़के एक कार के ट्रक की चपेट में आने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अखिलेश नारायण ने बताया कि कानपुर के बर्रा इलाके के निवासी शिव करण सिंह की पत्नी आशा देवी(42), उनकी पुत्री हेमा (22) पड़ोस के युवक ललित (32) के साथ रिश्तेदारी में जयपुर गए थे। मगंलवार रात वे कानपुर के लिए रवाना हुए थे। तभी तड़के करीब चार बजे उनकी कार फिरोजाबाद के सिरसागंज क्षेत्र में बाबा की शाला के पास एक ट्रक से टकरा गई। उन्होंने बताया कि हादसे में आशा, हेमा और ललित की मौत हो गई। पुलिस ने कार से शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए जिलाअस्पताल भेजा।

पश्चिम बंगाल के नवोदय विद्यालय में हुआ कोरोना विस्फोट, 29 स्कूली छात्र मिले संक्रमित

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के एक आवासीय स्कूल के कम से कम 29 छात्रों में कोरोना वायरस से संक्रमण की पुष्टि हुई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय, कल्याणी के नौंवी और 10वीं कक्षा के 29 छात्र कोरोना वायरस से संक्रमित हैं और छात्रों के अभिभावकों को उन्हें घर ले जाने के लिए सूचित किया गया है। संक्रमित छात्रों को गृह पृथक-वास की सलाह दी गई है क्योंकि उनमें खांसी और सर्दी के लक्षण थे।

भारत सरकार बूस्टर खुराक देना कब आरंभ करेगी: राहुल गांधी

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश की बड़ी आबादी का अब तक टीकाकरण नहीं हुआ है और सरकार को बताना चाहिए कि लोगों को बूस्टर खुराक (टीके की तीसरी खुराक) देना कब शुरू किया जाएगा। उन्होंने टीकाकरण के आंकड़ों का एक चार्ट साझा करते हुए ट्वीट किया, ''बहुतायत आबादी का अब तक टीकाकरण नहीं हुआ है।

सरकार बूस्टर खुराक देना कब शुरू करेगी?''कांग्रेस नेता ने जो चार्ट साझा किया उसमें कहा गया है कि टीकाकरण की मौजूदा गति से 31 दिसंबर, 2021 तक

देश की 42 प्रतिशत आबादी का ही टीकाकरण हो सकेगा और इस वर्ष के खत्म होने तक 60 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इस साल के आखिरी सप्ताह में प्रतिदिन 6.1 करोड़ खुराक देनी पड़ेगी। इसमें यह भी दर्शाया गया है कि पिछले एक सप्ताह के दौरान प्रतिदिन औसतन 58 लाख खुराक दी गई।

अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव और उनकी बेटी कोरोना पॉजिटिव, दोनों ने खुद को किया आइसोलेट

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव और उनकी बेटी कोरोना पॉजिटिव हो गई है। फ्लिहाल दोनों ने खुद को आइसोलेट कर लिया है। दरअसल, हालही में अखिलेश यादव की बेटी ऑस्ट्रेलिया से वापस लौटी हैं। डिंपल ने उनके संपर्क में आए हुए लोगों से आग्रह से किया है कि वो भी खुद का कोरोना जांच करा लें। अखिलेश यादव की पत्नी और बेटी को कोई गंभीर सिमटम नहीं है शुरुआती जांच में दोनों पॉजिटिव आई है डिप्टी सीएमओ मिलिंद वर्धन ने की पुष्टि फिलहाल डिंपल यादव और उनकी बेटी घर में आइसोलेशन में है।

लोकसभा और राज्यसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा में बुधवार को संसद का शीतकालीन सत्र अपने निर्धारित समय से एक दिन पहले ही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सत्र को अनिश्चतकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने पारंपरिक संबोधन में कहा, ''यह सत्र 29 नवंबर से शुरू हुआ और इस दौरान कुल 18 बैठकें हुई जो 83 घंटे 12 मिनट तक चलीं। उन्होंने बताया कि सत्र के आरंभ में सदन के तीन सदस्यों ने 29 और 30 नवंबर को शपथ ली। बिरला ने कहा कि इस सत्र में महत्वपूर्ण वित्तीय और विधायी कार्य निपटाये गए तथा इस दौरान 12 सरकारी विधेयक पेश किये गए और ना विधेयक पारित

हुए। शीतकालीन सत्र निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 नवंबर से शुरू होने के बाद 23 दिसंबर तक चलना था लेकिन इसे एक दिन पहले 22 दिसंबर को अनिश्चित काल के लिये स्थगित कर दिया गया। बुधवार को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी समेत केंद्रीय मंत्री और विपक्ष के दलों के नेता मौजूद थे। लोकसभा अध्यक्ष बिरला के वक्तव्य के बाद राष्ट्रगीत वंदे मातरम की धुन बजाई गई और सदन की कार्यवाही को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे जैसे ही आरंभ हुई, सभापति एम वेंकैया नायडू ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। इसके बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक अखबार की खबर का हवाला देकर अयोध्या से संबंधित एक मुद्दा उठाने की कोशिश की। खड़गे ने कहा कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा है लिहाजा उन्हें उठाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

इस पर सभापति ने खड़गे से कहा कि मुद्दे को उठाने के लिए उन्हें नोटिस देना चाहिए था। इसके बाद उन्होंने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र आज पूरा हो रहा है। इस सत्र में कामकाज के दौरान उत्पन्न किए गए व्यवधान पर अप्रसन्नता जताते हुए उन्होंने कहा, ''यह सदन अपनी क्षमता के अनुरूप काम नहीं कर सका। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि सामूहिक रूप से आप इसका अवलोकन करें कि क्या यह सत्र और बेहतर हो सकता था? इसके बाद राष्ट्रगीत ''वंदे मातरम की धुन बजाई गई और फिर सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

हरियाणा: वैक्सीन की दोनों डोज नहीं लगवाई तो.....

पहली जनवरी से नहीं हो सकेगी बस-रेलवे स्टेशन पर एंट्रीय शॉपिंग मॉल्स, होटल और सरकारी दफ्तरों में भी बैन होगी एंट्री

(एजेंसी)

चंडीगढ़। कोरोना की तीसरी लहर और नये वेरिएंट-ओमीक्रान को लेकर हरियाणा सरकार अलर्ट हो गई है। इससे निपटने के लिए सरकार ने सख्ती बरतने का फै सला लिया है। कोरोना वैक्सीन लगावाना अनिवार्य कर दिया है। जिस व्यक्ति ने अभी तक भी कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाई है, पहली जनवरी के बाद ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

इतना ही नहीं, सरकार ने तय किया है कि जिन लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज नहीं लगी हैं, पहली जनवरी के बाद बस अड्डों, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, होटल, शॉपिंग मॉल्स और सरकारी दफ्तरों में ऐसे लोगों की एंट्री बैन होगी। ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाएगा और उनके चालान भी होंगे। बुधवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में ओमीक्रान पर कांग्रेस के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते

हुए स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार वैक्सीनेशन को लेकर विशेष मुहिम चला रही है। हर घर दस्तक कार्यक्रम शुरू किया है ताकि लोगों के घर-घर जाकर वैक्सीन लगाई जा सके। उन्होंने विधायकों से आह्वान किया कि वे विशेष कैम्प लगवाएं और वैक्सीन लगवाने के लिए लोगों को जागरूक करें। विज ने कहा कि ऑक्सीजन के मामले में हरियाणा आत्मनिर्भर बन गया है। अब प्रदेश में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं है। विपक्ष के सवालों पर विज ने कहा कि कोरोना की पहली व दूसरी लहर के दौरान प्रदेश में 28 डॉक्टरों एवं पैरा-मेडिकल स्टॉफ के लोगों की जान गई। इनमें से 27 के परिजनों को सरकार 50-50 लाख रुपये की आर्थिक मदद दे चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना के दौरान जान गंवाने वालों की याद में श्वॉल ऑफ मेमोरी बनाई है। पंचकूला मुख्यालय के अलावा सभी जिलों में ये मेमोरी वॉल स्थापित की हैं। इसी तरह से पुलिस और शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भी मेमोरी वॉल बनाने के आदेश दिए हैं। इन दोनों विभागों के कोरोना फ्रंटलाइन वर्कर्स ने भी अपनी जान गंवाई। विज ने कहा कि प्रदेश में कोरोना की शुरूआत से लेकर अब तक की पूरी हिस्ट्री लिखी जा रही है। इसके लिए कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी कोरोना की शुरूआत में आई कमियों से लेकर प्रबंध तक की पूरी कहानी लिखेगी।

पूर्व मंत्री व तोशाम विधायक किरण चौधरी ने कहा कि बाहर के कई देशों में कोरोना महामारी से निपटने के लिए वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाई जा रही है। हरियाणा भी इसको लेकर फै सला करे। इस पर विज ने कहा कि बूस्टर डोज का फैसला केंद्र के स्तर पर होना है। इनेलो विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि सरकार ने सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोलने का ऐलान तो कर दिया लेकिन धरातल पर कुछ नहीं हुआ।

इस पर विज ने अभी तक स्थापित किए जा चुके और मंजूर हो चुके मेडिकल कॉलेज का ब्यौरा दिया। रेवाड़ी विधायक चिरंजीव राव ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान उनकी कई डॉक्टरों से बात हुई तो उन्होंने कहा कि सरकार ने अस्पतालों में वेंटिलेटर तो भेज दिए लेकिन इन्हें चलाने के लिए स्टॉफ उपलब्ध नहीं है। राव ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग साऊथ अफ्रीका में मैच देखने गए हैं। अब वे वापस भी आएंगे। ऐसे में उन पर निगरानी रखने की जरूरत है। ओमीक्रान साऊथ अफ्रीका से ही आया है। विज ने कहा कि विदेश से आने वाले सभी यात्रियों प नजर रखी जा रही है।

अयोध्या में भाजपा नेताओं ने 'जमीन की लूट' की, प्रधानमंत्री दें जवाब: रणदीप सुरजेवाला

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा के कई नेताओं तथा उत्तर प्रदेश शासन के कुछ अधिकारियों ने अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर के आसपास की जमीनों को औने-पौने दाम पर खरीदा है तथा जमीन की यह 'लूट साल 2019 में सुप्रीमकोर्ट का फै सला आने के बाद की गई है। पार्टी महासचिव और मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'चंदे की लूट और 'जमीन की लूट पर जवाब देना चाहिए तथा पूरे प्रकरण की जांच करानी चाहिए। उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में उत्तर प्रदेश में भाजपा के कुछ विधायकों और स्थानीय प्रशासन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम का उल्लेख किया और दावा किया कि भाजपा के लोगों ने 'रामद्रोह किया है जिसके लिए वे 'पाप और शाप के भागी हैं। कांग्रेस के इस दावे पर फिलहाल भाजपा या उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से कोई

प्रतिक्रिया नहीं आई है। सुरजेवाला ने कहा, 'पहले मंदिर के नाम पर चंदे की लूट की गई और अब संपत्ति बनाने की लूट हो रही है।

साफ है कि भाजपाई अब रामद्रोह कर रहे हैं। जमीन की सीधे लूट मची हुई है। एक तरफ आस्था का दीया जलाया गया और दूसरी तरफ भाजपा के लोगों द्वारा जमीन की लूट मचाई गई है। उन्होंने दावा किया, ''अब नया खुलासा हुआ है कि निर्माणधीन राम मंदिर के निकट की जमीनें भाजपा के विधायकों, महापौर, ओबीसी आयोग के सदस्य और प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा औने-पैमाने दाम पर खरीद ली गई हैं। यहां तक कि दलितों की जमीनों को भी हड़प लिया गया है। राम मंदिर मामले को लेकर न्यायालय का फै सला आने के बाद यह सब किया गया। कांग्रेस नेता ने कहा, 'भगवान श्रीराम आस्था, विश्वास, मर्यादा और सनातन के प्रतीक हैं। लेकिन भाजपा के लोग उनके नाम पर भी लूट का धंधा चला रहे हैं। प्रधानमंत्री जी बताएं कि आप अपना मुंह कब खोलेंगे? प्रधानमंत्री को यह भी बताना चाहिए कि (वह) चंदे की लूट और जमीन की लूट की जांच कब कराएंगे।

बसपा सरकार में हुए महिला सशक्तिकरण के प्रयास, कांग्रेस व भाजपा का रवैया दिखावटी: मायावती

(संवाददाता) लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) गंभीर नहीं हैं। दोनों ही पार्टियों का रवैया ज्यादातर दिखावटी ही होता है, जबकि बसपा की सरकार में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक आत्मनिर्भरता के लिए काफी प्रयास किए, जिन्हें अब विरोधी पार्टियां भुना रहीं हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को ट्वीट कर कहा कि देश में लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, लेकिन अभी भी वे काफी अधिकारों से वंचित हैं। महिलाओं को कानूनी अधिकार देकर सशक्त बनाने के लिए परमपूज्य बाबा

साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का काफी योगदान रहा है और बहुजन समाज पार्टी उन्हीं के नक्शेकदम पर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा आदि पार्टियों की महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति लगभग एक जैसी ही धारणा है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने आगे कहा कि कांग्रेस व भाजपा आदि पार्टियों का महिला सशक्तिकरण के प्रति रवैया ज्यादातर दिखावटी ही होता है, जबकि बीएसपी सरकार में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक आत्मनिर्भरता हेतु काफी प्रयास किए।

लोकतंत्र में सहमति-असहमति स्वाभाविक लेकिन नियोजित तरीके से सदन में व्यवधान नहीं डाला जाए: बिरला

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र में सहमति और असहमति स्वाभाविक हैं लेकिन नियोजित तरीके से सदन में व्यवधान डालना ठीक नहीं है। संसद के शीतकालीन सत्र के बुधवार को अनिश्चित काल के लिये स्थगित होने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। बिरला ने कार्यवाही के दौरान शोर-शराबे से संबंधित एक सवाल के जवाब में कहा, ''आप (विपक्ष) असहमति

दर्ज कराएं लेकिन सदन नहीं चले, यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि पीठासीन सभापतियों के सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी थी कि प्रश्नकाल स्थगित नहीं होना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संसद में सहमति-असहमति हो, लेकिन यह चर्चा एवं संवाद के जरिये होना चाहिए। बिरला ने कहा, ''मेरे लिये सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही बराबर हैं। मैंने सभी को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय दिया है।'' उन्होंने कहा कि सदस्यों के विरोध दर्ज कराने के लिये अगर पहले आसन के समीप आने का कोई चलन रहा भी है, तब भी यह उचित नहीं है। ऐसी परंपरा नहीं होनी चाहिए। बिरला ने कहा कि सदन में चर्चा नियमों एवं प्रक्रियाओं के तहत होती है, इसलिये कोई भी विषय नियमों के तहत आयेगा, तो चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सहमति और असहमति स्वाभाविक हैं लेकिन नियोजित तरीके से सदन में व्यवधान डालना ठीक नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस सत्र में 70 प्रतिशत विधेयकों को संसदीय समितियों के समक्ष भेजा गया। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा इस बात का प्रयास किया है कि संसदीय समितियों में वर्तमान परिस्थितियों में कामकाज में व्यापक बदलाव आए और इस बारे में आदर्श आचार संहिता बने। बिरला ने कहा, ''यह सत्र 29 नवंबर से शुरू हुआ और इस दौरान कुल 18 बैठकें हुई जो 83 घंटे 12 मिनट तक चलीं।'' उन्होंने बताया कि सत्र के आरंभ में सदन के तीन सदस्यों ने 29 और 30 नवंबर को शपथ ली।

सार समाचार

चीन ने शिनजियांग के मुद्दे पर अमेरिकी अधिकारियों पर लगाए प्रतिबंध, दो देशों में बढ़ा तनाव

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को अमेरिकी सरकार के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के चार सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। बीजिंग ने देश के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे पर चीनी अधिकारियों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के जवाब में यह कदम उठाया है। ये कदम शिनजियांग मुद्दे पर दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाते हैं। वाशिंगटन ने संबंधित क्षेत्र से आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि उसका मानना है कि आयात की जाने वाली चीजें-हो सकता है कि लोगों से जबरन मजदूरी कराकर तैयार की गई हों। वहीं, मानवाधिकार कार्यकर्ता बीजिंग में फरवरी में होने जा रहे शीतकालीन ओलंपिक के बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि अमेरिकी आयोग के अध्यक्ष और तीन सदस्यों के मुख्य भूमि चीन, हांगकांग तथा मकाऊ का दौरा करने पर रोक लगा दी गई है तथा देश में उनकी कोई भी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी। झाओ ने इन चारों लोगों की पहचान-अध्यक्ष नादिन मेंज़ा, उपाध्यक्ष नुरी तुर्केल और सदस्य अनुरिमा भार्गव तथा जेम्स कैर के रूप में की। झाओ ने इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया कि इन लोगों की चीन में कोई संपत्ति है या नहीं। शिनजियांग में उइगर और अन्य-ज्यादातर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के दमन में शामिल होने के आरोप में अमेरिका के वित्त विभाग ने 10 दिसंबर को चीन के दो अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद चीन ने जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी थी।

ओमीक्रोन वेरिएंट से शख्स की हुई मौत, अमेरिका में आया पहला मौत का मामला

वाशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास राज्य में कोरोना वायरस के नए ओमीक्रोन स्वरूप से एक मरीज की मौत हो गयी, जो देश में संक्रमण के इस स्वरूप से मौत का पहला मामला है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैरिस काउंटी पब्लिक हेल्थ द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, अमेरिका के टेक्सास राज्य में 50 वर्ष के आसपास के एक व्यक्ति की मौत हुई है। उसने टीके की खुराक नहीं ली थी और वह पहले भी कोविड-19 से संक्रमित हो चुका था। सीएनएन की खबर के मुताबिक, यह मामला अमेरिका में ओमीक्रोन से संबंधित मौत का पहला मामला है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''टीके की खुराक न लेने और खराब स्वास्थ्य के कारण इस व्यक्ति के कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार पड़ने का अत्यधिक खतरा था।'' काउंटी की न्यायाधीश लीना हिडाल्गो ने सोमवार को मौत की जानकारी दी।

उत्तरी कैलिफोर्निया में 6.2 तीव्रता का भूकंप; कोई सुनामी या बड़ी क्षति नहीं

पेट्रोलिया (अमेरिका)। अमेरिका के नदर्न कैलिफोर्निया तट पर सोमवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आने से, क्षेत्र में तेज झटके महसूस किए गए। हालांकि, किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय मौसम सेवा विभाग ने बताया कि भूकंप के बाद सुनामी आने की आशंका नहीं है। भूकंप दोपहर 12 बजे के ठीक बाद आया और इसका केंद्र छोटे से कस्बे पेट्रोलिया के निकट सैन फ्रांसिस्को के पश्चिमोत्तर में करीब 337 किलोमीटर दूर एक तट के पास था। पेट्रोलिया में 1,000 से कम लोग रहते है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि इस भूकंप के कारण एक करोड़ डॉलर से कम का नुकसान हुआ है और कोई हताहत नहीं हुआ है। पेट्रोलिया जनरल स्टोर प्रबंधक जेन डेक्टर ने 'सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल' को बताया कि झटके करीब 20 सेकंड तक महसूस किए गए।

स्वर्ण मंदिर मामले पर ब्रिटेन की सिख सांसद ने दिया विवादित बयान, जमकर हो रही आलोचना

लंदन। ब्रिटेन की पहली सिख महिला सांसद प्रीत कौर गिल को अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में एक व्यक्ति को पीट-पीटकर मार डालने के संबंध में किए गए ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सांसद ने अपने ट्वीट को हटा दिया। गिल ने ट्वीट में स्वर्ण मंदिर में व्यक्ति की हत्या के पीछे एक हिंदू आतंकवादी का हाथ होने की ओर इशारा किया था। ब्रिटिश आब्रजन अधिवक्ता हरजाप भंगल द्वारा स्वर्ण मंदिर में शनिवार को हुई कथित बेअदबी की घटना संबंधी वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लेबर पार्टी की सांसद गिल ने उनके इस संदेश पर सहमति जतायी कि यह स्पष्ट रूप से एक आतंकी घटना थी। गिल ने जिस ट्वीट को आलोचना के बाद हटाया उसमें कहा गया था, हिंदू आतंकवादी को स्वर्ण मंदिर में सिखों के खिलाफ हिंसा के कृत्य से रोक दिया गया। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने भी इस ट्वीट की निंदा की।

ओमिक्रोन से डरे डोनाल्ड ट्रंप, कोविड-19 की बूस्टर खुराक लेने का किया दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलासा किया कि उन्होंने कोविड-रोधी टीके की बूस्टर खुराक ली है। ट्रंप के इस दावे के बीच डलास में भीड़ ने उनका उपहास किया। ट्रंप ने रविवार रात को फॉक्स न्यूज के पूर्व प्रस्तोता बिल ओ रिली के साथ सीधे प्रसारित एक साक्षात्कार के दौरान बूस्टर खुराक लेने के संबंध में खुलासा किया। बिल द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के मुताबिक, बिल ओ रिली ने अमेरिकन एयरलाइन्स सेंटर में कहा, मैं और राष्ट्रपति दोनों ही अपना टीकाकरण करवा चुके हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति से सवाल किया, क्या आपने बूस्टर खुराक ली? इस पर ट्रंप ने कहा, हां। मैंने ये (बूस्टर खुराक) भी ले ली है।

काबुल में सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन कर संपत्ति को जारी करने की मांग की

काबुल । अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सैकड़ों लोगों ने बंद पड़े अमेरिकी दूतावास की ओर कूच कर देश की प्रतिबंधित की गई संपत्ति को जारी करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर थे जिन पर लिखा, हमें खाने दें और रोक दिया हमारा धन हमें दें। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे, तालिबान ने उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रखी थी।अगस्त में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता निलंबित कर दी गई थी और विदेश खासकर अमेरिका ने अरबों डॉलर की संपत्ति पर रोक लगा दी थी।

बड़ा खुलासा: ईरान के टॉप जनरल सुलेमानी की हत्या में था इजरायल का भी हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इजरायल के पूर्व सैन्य खुफिया प्रमुख ने बताया है कि इजरायल उस अमेरिकी हवाई हमले में शामिल था जिसने जनवरी 2020 में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या की गई थी। इजरायली मेजर जनरल तामीर हेमैन जो कि अब रिटायर्ड हैं, ने सुलेमानी की हत्या में इजरायल के रोल को माना है।

बता दें कि जनवरी 2020 में बगदाद में एक अमेरिकी ड्रोन हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी। सुलेमानी ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को लीड कर रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायली खुफिया एजेंसी ने दमिश्क से बगदाद के लिए सुलेमानी की फ्लाइट की पुष्टि करने में मदद की थी। इजरायल के पास सुलेमानी के नंबर तक पहुंच थी।

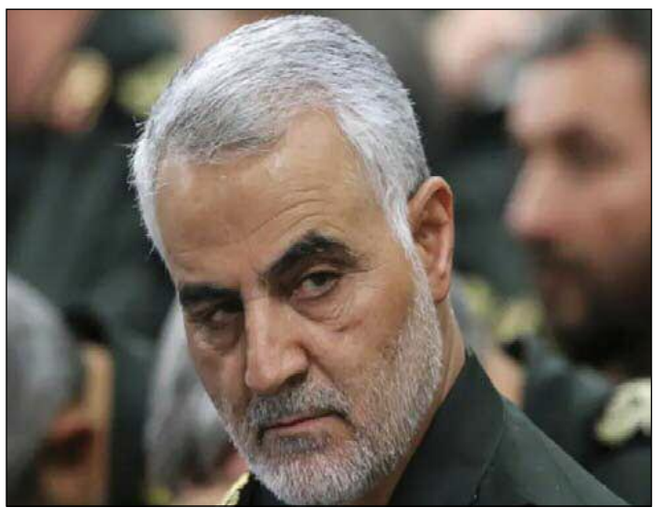

इजरायल के लिए उपलब्धि है सुलेमानी की हत्या?

हेमैन ने एक हिब्रू पत्रिका को बताया था कि सुलेमानी की हत्या एक उपलब्धि थी क्योंकि मेरी नजर में ईरानी हमारे मुख्य दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि सेना के खुफिया प्रमुख के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान दो महत्वपूर्ण हत्याएं हुईं। हेमैन ने कहा कि इजरायल के हमले सीरिया में जड़ें जमाने के ईरान के प्रयास को रोकने में सफल रहे हैं।

बता दें कि इजरायल ने पिछले एक दशक में सीरिया में सैकड़ों हवाई हमले किए हैं लेकिन इजरायल अब तक इस पर कमेंट करने से बचता रहा है। इजरायल ने यह माना है कि उसने ईरानी समर्थित फोर्स और हिज्बुल्लाह को निशाना बनाया है।

इजरायल और ईरान दोनों एक दूसरे को दुश्मन मानते हैं। ईरान, इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की बात कहता है तो इजरायल कहता है कि वह ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। हालांकि ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

सीआईआई ने कहा श्रीलंकाई नागरिक की हत्या करने वालों के खिलाफ कठोर एक्शन हो

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी शीर्ष धार्मिक निकाय ने कहा कि कानून को हाथ में लेना कुरान, शरीयत की शिक्षाओं और संविधान के खिलाफ है। निकाय ने श्रीलंकाई नागरिक की पीट-पीटकर हत्या करने वाले दोषियों को कानून के हवाले करने की मांग करते हुए यह बात कही। इस महीने की शुरुआत में बेहद चौंकाने वाली घटना में, कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान (टीएलपी) के समर्थकों ने ईशनिंदा के आरोप पर कारखाने में काम करने वाले महाप्रबंधक प्रियंता कुमार दियावदाना की पीट-पीटकर हत्या कर उसकी लाश को आग लगा दी थी। मामले में 900 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। कुल 150 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पंजाब पुलिस ने अब तक 54 मुख्य संदिग्धों की फॉरेंसिक जांच कराई है। 'काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी (सीआईआई) ने कहा कि देश के सामने एक गंभीर मुद्दा कानूनों को लागू करना है।वहीं सियालकोट जैसी घटना को फिर से होने से रोकने के लिए न्यायिक प्रणाली में सुधार की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेता है,तब देश को उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

चीन के बदले सुर, बढ़ते संघर्ष के बीच विदेश मंत्री ने भारत संग राजनयिक और सैन्य चैनलों से बातचीत का किया जिक्र

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन और भारत ने सीमा पर तनाव को कम करने के लिए राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से संचार बनाए रखा है। विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध का प्रभावी तरीके से प्रबंधन और इसे नियंत्रित किया है। चीन और भारत ने राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से बातचीत को बनाए रखा है, और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने और विकसित करने के लिए साझा प्रतिबद्धता के तहत कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से प्रबंधित और नियंत्रित किया है। पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच जारी सीमा विवाद के बीच वांग का यह बयान आया है।

साझा प्रतिबद्धता के तहत जारी रखी वार्ता

वांग ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर संघर्ष की स्थिति से निपटने के प्रयासों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर करने के लिए साझा प्रतिबद्धता के तहत चीन और भारत ने राजनयिक व सैन्य चैनलों के माध्यम से वार्ता जारी रखी है और

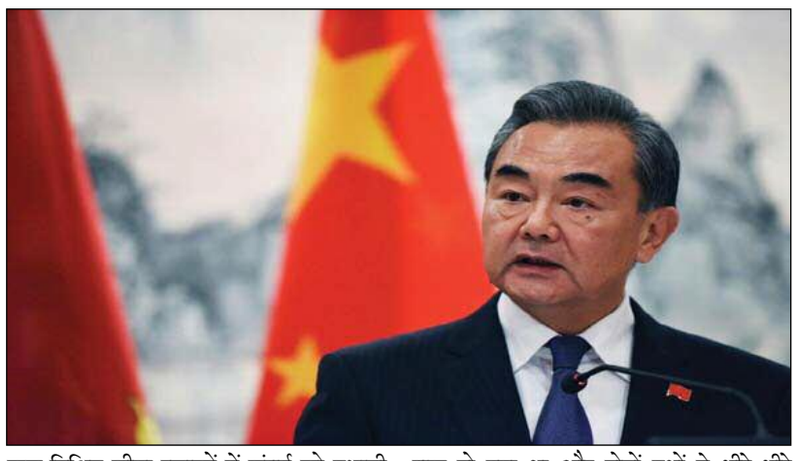

कुछ निश्चित सीमा इलाकों में संघर्ष को प्रभावी रूप से समझा है और नियंत्रित किया है।'

पैंगोंग झील के पास हिंसक झड़प के बाद तनाव

गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध की वजह से दोनों देशों के संबंधों में तनाव आ गया था। पैंगोंग झील इलाके में हिंसक झड़प के बाद पिछले साल पांच मई को भारत और चीन की सेनाओं के बीच सीमा गतिरोध शुरू हो गया था और दोनों पक्षों ने धीरे-धीरे हजारों सैनिकों व भारी हथियारों के साथ अपनी तैनाती बढ़ा दी थी। सैन्य और कूटनीतिक वार्ता की एक श्रृंखला के परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों ने अगस्त में गोगरा क्षेत्र में और फरवरी में पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तट पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया को पूरा किया। दोनों पक्षों के बीच 31 जुलाई को 12वें दौर की बातचीत हुई थी। इसके कुछ दिनों बाद गोगरा से सेनाओं की वापसी की प्रक्रिया पूरी हुई थी।

इमरान के दावों की खुली पोल, पाकिस्तान में फिर हिंदू मंदिर पर हमला, आरोपी को बचाने में जुटी थी पुलिस

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में एक बार फिर से हिन्दुओं की आस्था पर हमला हुआ है। कराची में एक कट्टरपंथी ने मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ की जिसके बाद देश में भी पाकिस्तान के खिलाफ गुस्से का माहौल देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले कराची की आई तस्वीरें इमरान खान के दावों की पोल खोलती नजर आई। नारायणपुरा इलाके में शाम छह बजे एक शख्स हथौड़ा लेकर मंदिर में घुसा और देवी देवताओं की मूर्तियों को तोड़ने लगा। योग माता की मूर्ति को खंडित कर दिया। भीड़ ने आरोपी को धर दबोचा और पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना के बाद से स्थानीय हिन्दुओं में आक्रोश

भीड़ ने जब युवक से इस हमले की वजह जानने की कोशिश की तो उसने कहा कि ये बताने के लिए कि इबादत के लायक नहीं है। युवक का नाम वलीद शब्बीर बताया जा रहा है। जबकि उसकी उम्र 22 साल है। घटना के बाद से स्थानीय हिन्दुओं में आक्रोश की लहर पैदा हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव है। उपद्रव के मद्देनजर पाकिस्तानी रेंजर की भी तैनाती की गई है।

पुलिस बचाने में लगी थी

लोगों का आरोप है कि मंदिर में मूर्तियों को खंडित करने वाले शख्स को पुलिस बचाने की कोशिश कर रही थी। लेकिन हिन्दुओं के विरोध को देखते हुए पुलिस को लीद शब्बीर को गिरफ्तार करना पड़ा। इस घटना से एक बार फिर कई सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या पाकिस्तान में जानबूझकर कट्टपंथियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। बार-बार ऐसे हमलों को बावजूद इमरान सरकार ऐसे कट्टपंथियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है?

समुंदर के रास्ते पाक की नापाक तस्करी नाकाम, 400 करोड़ की ड्रग्स जब्त, 6 तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एलओसी पर नापाक कोशिश के बाद अब पाकिस्तान समुंदर के रास्ते देश में जहर घोलने की कोशिश में जुटा हुआ है। लेकिन पाकिस्तान की साजिश को भारतीय नौसेना और गुजरात की एटीएस ने नाकाम कर दिया है। गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और भारतीय तट रक्षक (आईसीजी) के एक संयुक्त अभियान में कराची से छह चालक दल के सदस्यों के साथ एक पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव 77 किलोग्राम हेरोइन ले जा रही थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जिसकी कीमत 385 से 400 करोड़ रुपये के करीब बताई जा रही है। गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने कहा कि गुजरात के जखाउ तट से भारतीय जल सीमा में देर रात इसे जब्त किया गया।

77 किलोग्राम हेरोइन जब्त

गुजरात के कच्छ जिले में जखाऊ तट से करीब 35 समुद्री मील की दूरी पर समुद्र के बीच में चलाए गए अभियान में नशीली दवाओं की जब्ती की गई। एटीएस अधिकारियों और आईसीजी टीम ने भारतीय जल क्षेत्र में छह चालक दल के सदस्यों के साथ पाकिस्तानी मछली पकड़ने वाली नाव 'अल हुसैनी' को पकड़ा है। जिसके जरिये गुजरात में ड्रग्स की बड़ी खेप भेजी जा रही थी, जिसे सुरक्षा बलों ने पकड़ लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जहाज पर 77 किलोग्राम हेरोइन मिली है जिसे सुरक्षाबलों ने जब्त कर लिया है। इस साल समुद्र के बीच में सबसे बड़ी जब्ती है। आगे की जांच के लिए नाव को जखाऊ तट पर लाया गया।

730 करोड़ के ड्रग्स पहले किए गए जब्त

इससे पहले सितंबर में गुजरात एटीएस ने समुद्र के बीच में एक अभियान में लगभग 35 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी और 18 सितंबर को सात ईरान नागरिकों को पकड़ लिया था। 14 नवंबर को एटीएस ने मोरबी के जिंजुवाड़ा गांव में एक घर पर छापा मारा और 120 किलो ड्रग्स के साथ तीन लोगों को पकड़ लिया। बाद में जांच के दौरान लगभग 11 लोगों को पकड़ गया और 730 करोड़ रुपये की कुल 146 किलोग्राम दवाएं जब्त की गई।

तालिबान ने गलती से दूतावास के खाते में ट्रांसफर की बड़ी रकम, ताजकिस्तान ने लौटाने से किया इनकार

काबुल । कंगाली में आटा गीला होना कहावत तो आपने सुनी ही होगी। दरअसल, तालिबान ने गलती से ताजिकिस्तान स्थित अपने दूतावास के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए, लेकिन अब ताजिकिस्तान इस पैसे को वापस लौटाने से इनकार कर रहा है। ताजकिस्तान तालिबान का धुर आलोचक माना जाता है।

तालिबान ने करीब 8 लाख डॉलर (6 करोड़ रुपए से ज्यादा) ताजिकिस्तान में अफगानी दूतावास के अकाउंट में भेज दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पैसे अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी की सरकार द्वारा ट्रांसफर किए जाने थे। इस पैसे का इस्तेमाल ताजिकिस्तान में शरणार्थी बच्चों के लिए एक स्कूल के वित्तपोषण के लिए किया जाना था। हालांकि, जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया और गनी देश से भाग गए तो, यह सौदा विफल हो गया। कुछ हफ्तों बाद, सितंबर में पैसे ट्रांसफर किए गए, लेकिन कुछ खबरों के मुताबिक, 4 लाख डॉलर के आसपास ही पैसे दिए है। उस समय तालिबान की ओर से भी इसपर कुछ नहीं कहा गया। हालांकि, नवंबर आते-आते अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई और तब तालिबान ने ताजिकिस्तान की सरकार से संपर्क करके इसे वापस देने को कहा, तो ताजिकिस्तान के अधिकारियों ने यह मानने से साफ मना कर दिया।

पाकिस्तान ने किया बाबर क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण, जानें- कहां तक कर सकती है मार

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को स्वदेश में निर्मित बाबर क्रूज मिसाइल 1बी का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। पाक सेना की प्रचार यूनिट इंटरसर्विस पब्लिक रिलेशन ने बताया कि मिसाइल परीक्षण के मौके पर नेशनल इंजीनियरिंग ऐंड साइंटिफिक कमीशन के अध्यक्ष डॉ. राजा समर, आर्मी स्ट्रेटेजिक फोर्स कमान के कमांडर लेफ्टीनेंट मुहम्मद अली, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक और रणनीतिक संगठनों के इंजीनियर मौजूद थे। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस परीक्षण पर वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी है।

इसी साल अगस्त में पाकिस्तान की सेना ने फतह-1 का भी परीक्षण किया था। यह मल्टी लॉन्च रॉकेट सिस्टम एक साथ कई हमले करने में सक्षम है। यही नहीं आर्मी ने मीडिया रेंज की बलिस्टिक मिसाइल शाहीन 1- ए का भी इसी साल मार्च में परीक्षण किया था। मिलिट्री की मीडिया विंग ने कहा कि मिसाइल का अपडेट वर्जन 900 किलोमीटर तक मार कर सकता है।

इस मिसाइल में कुछ नए बदलाव किए गए हैं, जिनका परीक्षण इस टेस्ट में किया गया है। इस मिसाइल का पाकिस्तान ने पहला परीक्षण इसी साल फरवरी में किया था। शुरुआती वर्जन के बारे में बताया गया था कि यह 700 किलोमीटर तक मार सकती है। अब अडवांस वर्जन को लेकर 900 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम होने की बात कही जा रही है।

उत्तर कोरिया में दक्षिण कोरियाई वीडियो देखने के लिए मारे जा रहे लोग, 3 साल में 7 लोगों की हत्या की रिपोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया सरकार ने दक्षिण कोरियाई वीडियो देखने या वितरित करने के लिए पिछले तीन सालों में सात लोगों को मौत की सजा दी है। यह रिपोर्ट एक मानवाधिकार संगठन ने दी है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन की अध्यक्षता में ये सजा सुनाई गई है। सियोल स्थित मानवाधिकार संगठन ट्रांजिशनल जस्टिस वर्किंग ग्रुप ने पिछले छह सालों में 683 उत्तर कोरियाई के साथ इंटरव्यू किए और कुल मिलाकर 27 मौतों का दस्तावेजीकरण किया है। इसमें से अधिकांश फायरिंग दस्ते द्वारा किए गए थे। अधिकतर पर ड्रग्स, वेश्यावृत्ति और मानव तस्करी से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया गया था। मई 2021 में दक्षिण कोरियाई मीडिया ने भी रिपोर्ट किया था कि उत्तर कोरियाई अधिकारियों ने सावर्जनिक तौर से दक्षिण कोरियाई फिल्मों और म्यूजिक वीडियो वाली सीडी और यूएसबी बेचने के लिए एक शख्स को मार डाला था। रिपोर्ट में बताया गया था कि दक्षिण कोरियाई मीडिया को देखने या वितरित करने के आरोप में लोगों के सात मामलों में से छह 2012 और 2014 के बीच रेयानगांग प्रांत के हायसन में हुए। एक आरोपी को 2015 में उत्तरी हैमग्योंग प्रांत के चोंगजिन शहर में मार दिया गया था।

मानवाधिकार रिपोर्ट की स्टडी में बताया गया है कि किम जोंग उन शासन अंतरराष्ट्रीय जांच में बढ़ोतरी के कारण मानवाधिकारों के मसलों पर अधिक ध्यान दे रहा है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि हालात में सुधार हो रहा है। उत्तर कोरिया में अब इस तरह की हत्याएं इस

तरह से हो रही हैं जो पहले की तरह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे सकती हैं। हालांकि उत्तर कोरिया ने इस बात से इनकार किया है कि देश में जेल कैंप मौजूद है। किम जोंग उन शासन ने पश्चिमी देशों पर मानवाधिकारों की आलोचना का इस्तेमाल करके इसके प्रति शत्रुतापूर्ण नीति अपनाने का आरोप लगाया है।

काबुल में बंद पड़े अमेरिकी दूतावास पर क्या करने पहुंची सैकड़ों लोगों की भीड़

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी में मंगलवार को सैकड़ों लोगों ने बंद पड़े अमेरिकी दूतावास की ओर कूच किया तथा देश की प्रतिबंधित की गई संपत्ति को जारी किए जाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर थे जिन पर पर लिखा, 'हमें खाने दें' और 'रोक दिया गया हमारा धन हमें दें'। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे और सत्तारूढ़ तालिबान ने उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रखी थी। मध्य अगस्त में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता निलंबित कर दी गई थी और विदेश खासकर अमेरिका में देश की अरबों डॉलर की संपत्ति पर रोक लगा दी गई थी।

अफगानिस्तान में मानवीय त्रासदी उत्पन्न होने का खतरा

पहले से मुश्किल स्थिति का सामना कर रही अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था अनुदान रुक जाने से बुरी तरह तबाह हो गई है और सहायता संगठनों ने देश में भारी मानवीय त्रासदी उत्पन्न होने की चेतावनी दी है। डॉक्टरों, अध्यापकों, प्रशासनिक नौकरशाहों सहित सरकारी कर्मियों को महीनों से वेतन नहीं मिला है। इस बीच, बैंकों ने इस बात की सीमा तय कर दी है कि खाताधारक कितना पैसा निकाल सकते हैं।

तालिबान शासन को अब तक मान्यता नहीं

किसी भी देश ने अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों को उनके पुराने रिकॉर्ड के चलते आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है। तालिबान के पिछले शासन के दौरान महिलाओं एवं लड़कियों को शिक्षा एवं सार्वजनिक जीवन में आने से वंचित कर दिया गया था तथा पुरुषों के लिए दाढ़ी रखना एवं नमाज में शामिल अनिवार्य कर दिया गया था। इसके साथ ही खेलकूद एवं मनोरंजन पर रोक लगा दी गई थी और सार्वजनिक रूप से फांसी दी जाती थी। लेकिन वर्तमान तालिबान सरकार के अधिकारियों का कहना है कि उनका शासन अब अलग है तथा सभी लड़कियों को शिक्षा की अनुमति दी गई है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से धनराशि जारी करने एवं मानवीय त्रासदी को रोकने में मदद की अपील की है।

ओमिक्रोन: फिर लगेगा आंशिक लॉकडाउन?

केंद्र ने राज्यों से कहा, जरूरत पड़े तो लागू हो प्रतिबंध

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आगाह किया है। केंद्र ने जरुरत पड़ने पर राज्यों से कड़े प्रतिबंध लागू करने के लिए कहा है। जिसमें नाईट कर्फ्यू, सोशल गैदरिंग पर रोक लगाना और कंटेनमेंट जोन बनाना तक शामिल है।

केंद्र ने राज्यों से ओमिक्रोन के खतरे को देखते हुए वार रूम को एक्टिव करने का भी निर्देश दिया है और साथ ही कोरोना मामलों पर लगातार ध्यान देने के लिए कहा है। यह निर्देश दिया गया है कि ओमिक्रोन वेरिएंट के बढ़ते केसेज और कोरोना के बढ़ते मामलों के शुरूआती संकेत मिलने पर ही जरुरी उपाए भी किए जाएं।

ओमिक्रोन मामलों की संख्या 200 से अधिक होने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने सभी

राज्यों को यह निर्देश दिया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार सात राज्यों में ओमिक्रोन का आंकड़ा दहाई को पार कर चुका है। इसमें सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में मिले हैं। महाराष्ट्र में अभी तक के आंकड़ों के अनुसार करीब 54 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा दिल्ली में भी 54, तेलंगाना में 20, कर्नाटक में 19, राजस्थान में 18, केरल में 15 और गुजरात में 14 मामले दर्ज किए गए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा कि जिला स्तर पर कोरोना से प्रभावित आबादी, इसके बढ़ते प्रसार, अस्पताल में मौजूद सुविधाएं, मैन पॉवर, कन्टेनमेंट जोन को बनाने और इसको लागू करने से जुड़े आंकड़ों की लगातार समीक्षा होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि इन्हीं आधार पर जिला स्तर पर प्रभावी निर्णय लिया जाना चाहिए और इस तरह की रणनीति यह सुनिश्चित करती है कि राज्य के अन्य हिस्सों में कोरोना के संक्रमण फैलने से पहले ही स्थानीय स्तर पर उसको रोका जा सके।

केंद्र ने यह भी कहा है यदि किसी जिले में पिछले एक सप्ताह में 10% या उससे अधिक पाजिटिविटी रेट दर्ज किया गया हो या 40% से ज्यादा बेड भर गए हों या उससे ज्यादा ऑक्सीजन एवं आईसीयू वाले बेड पर मरीज हों तो जिला स्तरीय प्रतिबंध लगाया जा सकता है। हालांकि राज्य मौजूदा स्थिति को देखते हुए और ओमिक्रोन के खतरे को भांपते हुए इन आंकड़ों को दर्ज होने से पहले ही प्रतिबंध लागू कर सकता है।

आयकर विभाग: चीनी मोबाइल कंपनी डस्त्रस्त्रङ्क के खिलाफ कार्रवाई, दिल्ली-एनसीआर के कई ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी समाचार

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने चायनीज मोबाइल कंपनी ओप्पो ग्रुप के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग के अधिकारियों ने दिल्ली-एनसीआर में कंपनी से जुड़े अधिकारियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। इसके अलावा मुंबई, गुडगांव जैसे शहरों में भी छापेमारी की खबर है। आयकर विभाग चायनीज मोबाइल कंपनी पर मंगलवार से छापेमारी कर रही है। इससे पहले अगस्त में भी उसने चीनी नियंत्रण वाली ळएके खिलाफ छापेमारी की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत सरकार पहले ही ओप्पो और वीवो जैसे स्मार्टफोन निमार्ताओं को वितरण के लिए चीनी साझेदारों के साथ काम रोकने के लिए दबाव बना रही है।

सार समाचार

बहुजन समाज पार्टी सांसद दानिश अली कोरोना वायरस से संक्रमित

नयी दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद कुंवर दानिश अली कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर यह जानकारी दी और अपने संपर्क में आए लोगों से खुद को पृथक-वास में करने की अपील भी की। वह सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही में शामिल हुए थे। दानिश अली ने कहा, ''टीके की दोनों खुराक लेने के बाद भी आज मेरे कोविड से संक्रमित होने का पता चला है। कल मैं संसद की कार्यवाही में शामिल हुआ था। मैं अपने संपर्क में आए लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी जांच कराएं और खुद को पृथक-वास में रखें। मुझमें हल्के लक्षण हैं और जल्द सेहतमंद होने की उम्मीद है।

बेमौसमी बारिश, जलभराव से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए विशेष फसल निरीक्षण करने के निर्देश

चंडीगढ़। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने हरियाणा विधानसभा सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि बेमौसमी बारिश, जलभराव से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए विशेष फसल निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं, रिपोर्ट मिलने के बाद मुआवजा देने बारे राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बेमौसमी बारिश के कारण प्रदेश के 11 जिलों में बाजरा, कपास, मूंग,धान और गन्ने की फसल को नुकसान होने की शिकायतें मिली थी जिस पर राज्य सरकार ने 4 मंडल आयुक्तों को इस बारे में रिपोर्ट तैयार करके भेजने के निर्देश दिए थे, इसमें 2 मंडल आयुक्तों की रिपोर्ट मिल गई है तथा बाकी रिपोर्ट भी जल्द मिल जाएगी। सदन के सदस्य द्वारा सिरसा जिला से संबंधित पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में सिरसा जिला में गुलाबी सुंडी नामक कीट के हमले तथा बेमौसमी बारिश एवं जलभराव से कुल 76,782 एकड़ क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं। उन्होंने आगे बताया कि बाजरा, कपास, मूंग, धान और गन्ने की खड़ी फसलों को हुए नुकसान का आंकलन करने के लिए 30 सितंबर तथा 19 अक्तूबर 2021 को विशेष गिरदावरी के आदेश जारी किए गए थे। हिसार मंडल से इस बारे में रिपोर्ट अपेक्षित है, रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मुआवजा देने का निर्णय लिया जाएगा।

कश्मीर में 40 दिन का चिल्लई कलां का दौर शुरू, इस सप्ताह बर्फबारी का पूर्वानुमान

श्रीनगर। कश्मीर में मंगलवार को 40 दिन का चिल्लई कलां का दौर शुरू होगा गया, इस दौरान क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ती है। वहीं, घाटी में सभी जगह न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु से नीचे रहा। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में सोमवार की रात तापमान शून्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग रिज़ार्ट में न्यूनतम तापमान शून्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। पहलगाम में तापमान शून्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। उन्होंने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में तापमान शून्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड में तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे और को केरनाग में तापमान शून्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में रात को और ठंड होने तथा न्यूनतम में गिरावट का अनुमान लगाया है। 22 से 25 दिसंबर के बीच हल्की से मध्यम बर्फबारी का भी पूर्वानुमान है।

संसद में फूटा जया बच्चन का गुस्सा,भाजपा को कहा- श्राप देती हूं आपके बुरे दिन आएंगे

नई दिल्ली। राज्यसभा में सपा की सदस्य जया बच्चन की भाजपा के सांसदों के साथ जमकर बहस हुई। इस बहस में जया बच्चन काफी गुस्से में थीं जिसके कारण उनकी सांस फुलने लगी। बता दें कि, जया अपने खिलाफ हुए एक निजी टिप्पणी को लेकर काफी ज्यादा नाराज थी और इस कारण उन्होंने गुस्से में सत्ताधारी दल के सदस्यों को क्षाप दे डाला।

क्या है पूरा मामला?

संसद में स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की जा रही थी।इस बीच जया बच्चन ने 12 विपक्षी सदस्यों के निलंबन का मुद्दा उठाने की कोशिश की। इस दौरान आसन पर बैठे पीठासीन अध्यक्ष भुवनेश्वर कालिता का नाम लिये बिना उनके बारे में कोई निजी टिप्पणी कर डाली। बीजेपी के सदस्य राकेश सिन्हा ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए इस पर आपत्ति जताई और कहा कि जया बच्चन की टिप्पणी आसन पर सवाल उठाने वाली है। इस पर पीठासीन अध्यक्ष ने कहा कि वह रिकार्ड देखकर निर्णय करेंगे। हालांकि इसके बावजूद बच्चन अपनी बात रखती रहीं। सदन में हंगामे के बीच जया ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ किसी सदस्य ने निजी टिप्पणी की है। बच्चन सदस्य के निजी टिप्पणी से इतनी ज्यादा आहत हुआ की उन्होंने पार्टी के सदस्यों को अभिशाप दे डाला और कहा कि, 'वह कैसे सदन में निजी टिप्पणी कर सकते हैं। आप लोगों के बुरे दिन आएंगे। मै अभिशाप देती हूं।'' हालांकि, जया बच्चन पर क्या निजी टिप्पणी की घई है यह हंगामे की शोर के कारण सही से सुना नहीं जा रहा है। आपको बता दें कि, जया बच्चन की बहू और अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन 2016 के पनामा पेपर्स लीक से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुई है।

नीति आयोग ने संयुक्त राष्ट्र खाद्य कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किये

नई दिल्ली। कदन्न फसलों (ज्वार, बाजरा, रागी, मडुवा, सावां, कोदों, कुटकी, कंगनी, चीना आदि मोटे अनाज) के महत्त्व को पहचान कर भारत सरकार ने 2018 को कदन्न वर्ष के रूप में मनाया था, ताकि मोटे अनाज के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जा सके। इस पहल को आगे बढ़ाते हुये, भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र आमसभा में 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न दिवस के रूप में घोषित करने के प्रस्ताव का नेतृत्व किया था। मोटे अनाजों को प्रोत्साहन देने के लिये कई कदम उठाये गये, जिनमें उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में पोषक अनाज को शामिल करना और कई राज्यों में कदन्न मिशन की स्थापना करना शामिल है। इसके बावजूद उत्पादन, वितरण और उपभोक्ताओं द्वारा मोटे अनाजों को अपनाने से जुड़ी कई चुनौतियां कायम हैं। वितरण प्रणाली के अंतर्गत, समय आ गया है कि हम खाद्यान्न वितरण कार्यक्रमों का ध्यान 'कैलरी सिद्धांत' से हटाकर ज्यादा विविध खाद्यान्न संकुल प्रदान करने पर लगायें, जिसमें मोटे अनाज को शामिल किया जाये, ताकि स्कूल जाने की आयु से छोटे बच्चों और प्रजनन-योग्य महिलाओं की पोषण स्थिति में सुधार लाया जा सके। नीति आयोग और विश्व खाद्य कार्यक्रम का इरादा है कि इन चुनौतियों का समाधान व्यवस्थित और कारगर तरीके से किया जाये। नीति आयोग ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के साथ 20 दिसंबर, 2021 को एक आशय घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किये हैं। इस साझेदारी के तहत मोटे अनाज को मुख्यधारा में लाने पर ध्यान दिया जायेगा और 2023 को अंतर्राष्ट्रीय कदन्न वर्ष होने के नाते इस अवसर पर भारत को ज्ञान के आदान-प्रदान के क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करने में समर्थन दिया जायेगा। इसके अलावा, इस साझेदारी का लक्ष्य है छोटी जोत के किसानों के लिये सतत आजीविका के अवसर बनाना, जलवायु परिवर्तन को देखते हुये क्षमताओं को अपनाना और खाद्य प्रणाली में बदलाव लाना।

उत्तर प्रदेश, बंगाल और कर्नाटक में इनकम टैक्स की छापेमारी में करोड़ों की अघोषित आय का पता चला

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में इनकम टैक्स की हुई छापेमारी में करोड़ों की अघोषित आय का पता चला है। आयकर विभाग ने एक ब्यान में बताया कि विभाग ने 18 दिसंबर को सिविल कंस्ट्रक्शन, रियल स्टेट और एजुकेशनल संस्थान चलाने वाले कई लोगों के घर और दफ्तरों पर छापेमारी की थी। कोलकाता का एक एंट्री ऑपरेटर के यहां भी छापेमारी की गई थी। कुल 30 जगहों पर ये छापेमारी हुई थी जिसमें लखनऊ, मैनपुरी, मऊ, कोलकाता, बेंगलुरू और एनसीआर शामिल है।छापेमारी में इनकम टैक्स की टीम ने तमाम महत्वपूर्ण दस्तावेज, हार्ड कॉपी डॉक्युमेंट्स, डिजिटल डाटा रिकवर करके जब्त किये, इन दस्तावेजों से टैक्स चोरी के तमाम सबूत मिले हैं। सिविल कंस्ट्रक्शन में शामिल आरोपी बोगस खर्चे दिखाकर करोड़ों रुपए के खर्चे दिखा रहे थे। इनके पास से ब्लेंक बिल बुक, स्टेम्पस, बोगस सप्लायर्स के साइन हुए चैक बुक मिले थे इन सभी को जब्त किया गया है। एक कंपनी से 86 करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता लगा है। इसके अलावा एक शख्स ने कबूल किया है कि उसकी अघोषित आय 68 करोड़ रुपए है और अब वो टैक्स देने की बात कह रहा है। उसने पिछले कुछ सालों में कमाए गए 150 करोड़ रुपए की आय को घोषित नही किया था। अघोषित आय और इन्वेस्टमेंट को शेल कंपनियों द्वारा खर्चे में दिखाया जा रहा था। करीब 12 करोड़ रुपए के निवेश का पता लगा है जिसे आरोपी स्पष्टीकरण नहीं दे पाए।इसके अलावा एक और शख्स की शेल कंपनियों में 11 करोड़ रुपए के निवेश और बेनामी संपतियों में साढ़े 3 करोड़ रुपए के निवेश का पता चला है। इसके अलावा कोलकाता के एक एंट्री ऑपरेटर के यहां छापामारी की गई जो शेल कंपनियों की एंट्री करता था। इसने कई शेल कंपनियां बनाई और फर्जी केपिटल इनकम लगभग 408 करोड़ रुपए दिखाकर इसके जरिए 154 करोड़ रुपए का लोन दिखाया। डिजिटल एंट्री के अलावा हवाला लेनदेन भी सामने आया है। इन सभी एंट्री और कागजात को जब्त किया गया है।

भारत को गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा की अपनी क्षमता बढ़ाने, कार्बन की प्रबलता कम करके 2070 तक कार्बन तटस्थता हासिल करने की जरूरत

नई दिल्ली। भारत को प्रधानमंत्री द्वारा सीओपी 26 की घोषणाओं को पूरा करने के लिए कई दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। इनमें गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा की क्षमता बढ़ाना, कार्बन की प्रबलता में कमी लाना, 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा की आधी जरूरत को पूरा करना, कार्बन उत्सर्जन को कम करना और 2070 तक निवल शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना शामिल है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी (डीएसटी) विभाग, भारत सरकार के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अखिलेश गुप्ता ने 'जलवायु परिवर्तनः चुनौतियां और प्रतिक्रिया (वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए)' पर आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान इन तथ्यों पर प्रकाश डाला। सेंटर फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट (सीडीएम), लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन (एलबीएसएनएए), मसूरी में 5 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और देशभर से केंद्र एवं राज्य सरकारों के संगठन से जलवायु परिवर्तन और इससे जुड़े क्षेत्रों में अभिरुचि रखने वाले रिसोर्स पर्सन अर्थात क्षेत्र विशेष के जानकार हिस्सा ले रहे हैं। डीएसटी के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन 20- 24 दिसंबर 2021 के दौरान किया जा रहा है। डॉ. गुप्ता ने बताया, ''इलेक्ट्रिक वाहन और हरित हाइड्रोजन ऊर्जा को लेकर की गई कुछ प्रमुख पहलों से 2030 तक अर्थव्यवस्था की कार्बन प्रबलता घटाकर 45 प्रतिशत तक लाना संभव है। भारत की 50 फीसदी ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति 2030 तक अक्षय ऊर्जा के माध्यम से की जा सकती है क्योंकि भारत ने पहले ही नवीकरणीय ऊर्जा का 40 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया है। वर्ष 2030 तक एक अरब टन कार्बन उत्सर्जन को कम करना चुनौतीपूर्ण है क्योंकि इसके लिए भारत को अपने कार्बन उत्सर्जन में करीब 22 फीसदी की कटौती करनी होगी। देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती 2070 तक कार्बन तटस्थता हासिल करना है, जिसके लिए अक्षय ऊर्जा उत्पादन को कई गुना बढ़ाना होगा। इसके अलावा, कोयले का उपयोग काफी घटाना होगा और सभी क्षेत्रों में कच्चे तेल की खपत को 2050 तक चरम स्थिति पर ले जाना होगा और 2050 और 2070 के बीच इसमें निरंतर कमी करने की आवश्यकता होगी।

भारत में कई चीजों के वायदा व्यापार पर बैन

दिल्ली। भारत ने कई जिन्सों के वायदा व्यापार पर एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है. 2003 में वायदा व्यापार को अनुमति दिए जाने के बाद से इस क्षेत्र में यह सबसे बड़ा फैसला है जिसका असर विभिन्न बाजारों पर तुरंत नजर आया.भारत ने पांच उपभोक्ता वस्तुओं का वायदा व्यापार पर रोक लगा दी है. खाद्य तेलों, गेहूं और चावल जैसी मूलभूत चीजों की महंगाई रोकने में नाकाम रही सरकार ने सोमवार को यह फैसला तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया. सरकार का यह फैसला लाखों निवेशकों के लिए बुरी खबर बनकर आया जिन्होंने इन जिन्सों में भारी निवेश किया हुआ है. यह फैसला तब लिया गया है जबकि कीमतें आसमान पर हैं. देखिए, सबसे अमीर भारतीय खाद्य तेलों के व्यापारियों के संगठन सोल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी कहते हैं, यह तो संदेशवाहक को गोली मारने जैसा है।

कोरोना के कहर से हैपी नहीं रहेगा क्रिसमस! केस बढ़ने से फिर दुनिया में लगने लगीं लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

नई दिल्ली। कुछ महीनों पहले दुनिया भर में कोरोना के नए केसों में कमी से जो राहत महसूस की जा रही थी, वह अब खत्म होती दिख रही है। यूरोप में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी देखने को मिल रही है। इसके चलते लॉकडाउन समेत कई तरह की पाबंदियां लगनी शुरू हो गई है। यही नहीं क्रिसमस और नए साल सेलिब्रेशन का जोश भी ठंडा पड़ गया है। इस महीने की शुरुआत के मुकाबले दुनिया भर में कोरोना के नए केसों की संख्या में 12 फीसदी का उछाल देखने को मिल रहा है। हर दिन औसतन 6.46 लाख नए केस मिल रहे हैं। बीते सप्ताह के मुकाबले इस वीक 5 फीसदी अधिक केस मिल रहे हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि भारत और दक्षिण एशिया की हिस्सेदारी इनमें कम है। फिलहाल दुनिया भर में मिल रहे नए केसों में 58 फीसदी मामले अकेले यूरोप के हैं। इसके अलावा 20 फीसदी मामले अमेरिका में मिल रहे हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट का कहर बरप रहा है। एक ही वीक में यूनाइटेड किंगडम में कोरोना के नए केसों का आंकड़ा 51 फीसदी बढ़ते हुए 51,297 से 77,601 पहुंच गया है। इस बीच संकट से निपटने के लिए नीदरलैंड ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगा दिया है। ब्रिटेन भी ऐसे ही फैसले पर विचार कर रहा है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन इसे लेकर चेतावनी भी दे चुके हैं। जर्मनी और नॉर्वे ने भी नए केसों को थामने के लिए लॉकडाउन जैसी पाबंदियां लगा दी हैं। फ्रांस की सरकार ने लोगों से जल्दी से जल्दी टीके लगवाने की अपील की है। फ्रांस के पीएम ज्यां कास्टेक्स का कहना है कि 5वीं लहर देश में आ सकती है। उनका कहना है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट देश में कहर बरपा रहा है और नए साल की शुरुआत में सबसे ज्यादा केस इसके ही मिल सकते हैं। हालांकि यूरोप में भी पहले के मुकाबले यह राहत है कि मौतों के आंकड़े में ज्यादा इजाफा नहीं हुआ है। एक तरफ दुनिया भर में नए केसों में 12 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है तो मौतों की बात करें तो उसमें 4.4 पर्सेंट की कमी देखने को मिल रही है। बीते सप्ताह मौतों का आंकड़ा 7,133 था, जो अब इस रविवार को समाप्त हुए सप्ताह में घटकर 6,818 ही रह गया।

पत्रकारों के खिलाफ बात-बेबात दर्ज ना करें मामले: एनएचआरसी

दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम की सरकारों को पत्रकारों के खिलाफ बात-बेबात मामले दर्ज ना करने का निर्देश दिया है. हाल के महीनों मे छोटी-छोटी बातों पर भी मामले दर्ज किए जाते रहे हैं.आयोग की ओर से मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों की जन-सुनवाई के लिए असम की राजधानी गुवाहाटी में दो-दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया था. इसमें कुल 19 मामलों की सुनवाई के बाद उनका निपटारा किया गया. आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने असम में मुठभेड़ के नाम पर होने वाली हत्याओं की भी कड़ी आलोचना की है. बीती मई में बीजेपी सरकार के सत्ता में लौटने के बाद अब तक मुठभेड़ या पुलिस हिरासत में कम से कम 32 लोगों की मौत हो चुकी है. जन-सुनवाई आयोग की ओर से गुवाहाटी में आयोजित दो-दिवसीय जन-सुनवाई शिविर के दौरान इलाके में मानवाधिकार उल्लंघन की कुल 19 घटनाओं की सुनवाई कर उनका निपटारा किया. इनमें से त्रिपुरा के दस, मेघालय के छह और मिजोरम के

तीन मामले शामिल थे. तस्वीरें: बांग्लादेश की आजादी के 50 साल आयोग ने सुनवाई के बाद त्रिपुरा में सुरक्षा बल के जवानों द्वारा एक नाबालिग युवती से बलात्कार के मामले में सात लाख रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया. इसी तरह मिजोरम में पुलिस हिरासत में मौत के एक मामले में भी इतना ही मुआवजा दिया गया. आयोग ने मेघालय में अवैध कोयला खदानों में काम करने वाले मजदूरों की मौत के दो मामलों में भी परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश दिया. शिविर का उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्र ने किया. इसमें आयोग के सदस्य न्यायमूर्ति एम. एम. कुमार और राजीव जैन व महासचिव बिंबाधर प्रधान के अलावा आयोग और संबंधित राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. आयोग वर्ष 2007 से देश के विभिन्न राज्यों में शिविर बैठक और सार्वजनिक जन-सुनवाई का आयोजन कर रहा है और अब तक 40 से अधिक ऐसी बैठकें और सुनवाइयां कर चुका है, जिनका उद्देश्य जमीनी स्तर पर मामलों का त्वरित निपटान करना और मानवाधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना है. बढ़ रही है वर्दी की हिंसा शिविर के समापन के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण मिश्र ने कहा, यह आम राय नहीं बनाई जा सकती कि सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) लागू होने की वजह से मानवाधिकारों का उल्लंघन होता है.

राफेल डील में देरी पर सरकार ने फ्रांस की कंपनी पर लगाया जुमार्ना, ऑफसेट वादा नहीं किया पूरा

एजेंसी समाचार

नई दिल्ली। भारत ने फ्रांस के साथ अपने राफेल डील में ऑफसेट नियमों को पूरा करने में देरी और वादों को पूरा नहीं किए जाने पर जुमार्ना लगाया है. भारत और फ्रांस के बीच 36 राफेल लड़ाकू विमानों का अनुबंध साल 2016 सितंबर में हुई थी. रक्षा के सूत्रों ने बताया कि मिसाइल निमार्ता ट्इऊअ पर जुमार्ना लगाया गया है. ट्इऊअ दसॉल्ट एविएशन के बनाए राफेल जेट के लिए हथियार पैकेज की आपूर्ति करता है. ऑफसेट नियमों के तहत दसॉल्ट और ट्इऊअ को भारतीय रक्षा क्षेत्र में अनुबंध राशि के 30 फीसदी निवेश को अनिवार्य किया था. बता दें कि डिफॉल्ट आयुध की बड़ी कंपनियों पर लगाम लगाने के तहत नियम बनाए गए हैं. जिसके तहत ही यह कार्रवाई की गई है. बता दें कि भारत ने फ्रांस के साथ समझौते के अलावा दसॉल्ट के साथ एक बड़ा ऑफसेट डील और अपने सहयोगी एमबीडीए के साथ एक छोटा डील किया था.

संपादकीय

कूटनीतिक कामयाबी

यह भारतीय कूटनीतिक कामयाबी ही कही जायेगी कि जिस समय इस्लामाबाद में इस्लामिक देशों के संगठन ओआईसी के सदस्य देशों की अफगानिस्तान के मुद्दे पर बैठक हो रही थी उसी दिन भारत में आयोजित सम्मेलन में मध्य एशिया के पांच इस्लामिक देश भाग ले रहे थे। दरअसल, दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अध्यक्षता में आयोजित तीसरे भारत-मध्य एशिया डायलॉग में उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान व कजाखस्तान के विदेश मंत्रियों ने शिरकत की। वे इस्लामाबाद जाने के बजाय दिल्ली सम्मेलन में पहुंचे। इस सम्मेलन में जहां मध्य एशिया के इन देशों के बीच व्यापार संबंधी व क्षेत्रीय जुड़ाव पर बात हुई, वहीं अफगानिस्तान के मुद्दे पर गंभीर विमर्श हुआ। उल्लेखनीय है कि इन पांच देशों में से तीन ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान की सीमा अफगानिस्तान से लगती है। अफगानिस्तान के हालात पर इनकी चिंता भारत से मेल खाती है। इस सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त बयान में भारत ने इन पांचों देशों के साथ एक सुर में कहा कि बदले हालात में अब अफगानिस्तान की धरती का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के लिये नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही मानवीय संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान की भरपूर मदद की जाये। निस्संदेह भारत समेत इन देशों की क्षेत्रीय सुरक्षा को अफगानिस्तान में तालिबान के आने से खतरा उत्पन्न हुआ है। इन पड़ोसी देशों के व्यापार पर भी प्रभाव पड़ा है। दरअसल, अफगानिस्तान से अमेरिका व नाटो संगठन की वापसी के बाद तालिबान कब्जा होने से भारत की गंभीर भूमिका नहीं रह गई थी। एक वजह यह कि तालिबान पाक के गहरे प्रभाव में है और पाक नहीं चाहता कि अफगानिस्तान में भारत की कोई भूमिका हो। लेकिन भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से इस दिशा में अपनी भूमिका के लिये जगह बनाने का प्रयास किया है। उल्लेखनीय है कि दस नवंबर को भी इन मध्य एशियाई देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की अध्यक्षता में दिल्ली सम्मेलन हुआ था। महत्वपूर्ण यह कि इसमें रूस और ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी मौजूद थे।

दरअसल, भारत की सोच रही है कि वह मध्य एशिया के देशों से संबंध बेहतर करके अफगानिस्तान में अपने कूटनीतिक हितों का पोषण कर पायेगा। इसमें भारत के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ईरान स्थित चाबहार बंदरगाह के जरिये मध्य एशिया के इन देशों से जुड़ाव का लक्ष्य भी शामिल है, जिसमें इन देशों में आपसी व्यापार के लिये मालवाहक गलियारा बनाने पर सहमत होना भी शामिल है। अच्छी बात है कि भारत की चिंताओं में शामिल इन देशों ने अफगानिस्तान में पनप रहे आतंकवाद पर कारगर कार्रवाई पर सहमति जतायी। इसी क्रम में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रावधानों के अनुरूप अफगान धरती को आतंकवाद की उर्वरा भूमि बनाने से रोकने के सभी आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया गया। वहीं भारत समेत इन देशों के विदेश मंत्रियों ने सहमति जतायी कि जहां अफगानिस्तान की संप्रभुता व अखंडता की रक्षा होनी चाहिए, वहीं सभी अल्पसंख्यक समूहों की भागीदारी वाली समावेशी सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हो, जिसमें महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित हो। प्रयास हो कि अफगानिस्तान में मानवीय अधिकारों का सम्मान किया जाये। तालिबान सरकार बनने के बाद अफगानिस्तान की धरती से नशे के कारोबार फलने-फूलने पर चिंता जताते हुए इस पर रोक के लिये सख्त प्रयास करने की जरूरत बतायी गई। सभी सहमत थे कि नये अफगानिस्तान में यूएन की प्रभावी भूमिका हो। वक्त आ गया है कि मानवीय संकट को दूर करने के लिये तुरंत मदद पहुंचाई जाये। साथ ही जातीय अल्पसंख्यकों, महिलाओं व बच्चों के हितों को संरक्षण मिले। निस्संदेह, पाक को इस बात की परेशानी होगी कि इस्लामाबाद में चालीस साल बाद हुए इस्लामिक देशों के सम्मेलन के समांतर भारत ने मध्य एशियाई देशों के सम्मेलन के जरिये कुछ बढ़त तो हासिल कर ली है। निस्संदेह, जनवरी में होने वाले मध्य एशिया-भारत सम्मेलन के बाद यह मुहिम और विस्तार लेगी। वहीं इस्लामाबाद में हुई ओआईसी की बैठक में पारित 31 मुद्दों वाले संकल्पपत्र में भी अफगानिस्तान में पनप रहे आतंकी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने व मानवीय सहायता पहुंचाने पर बल दिया गया।

खौफ में बाजार

मुंबई शेयर बाजार के सूचकांक सेंसेक्स ने खौफ का इजहार कर दिया है। 20 दिसम्बर को इसमें बुरी तरह गिरावट दर्ज की गई। एक महीने का हिसाब लगाएं, तो इसमें करीब सात फीसद की गिरावट देखी गई है। एक महीने में सात फीसद की गिरावट सेंसेक्स में तब दिख रही है, जब अर्थव्यवस्था में सुधार की बातें हो रही हैं। जब ऐसी बातें की जा रही हैं कि अर्थव्यवस्था पटरी पर आ रही है। पटरी से उतरने का मामला दरअसल खौफ का मामला है। ओमीक्रोन ने पूरी दुनिया में खौफ पैदा कर दिया है। अर्थव्यवस्था और खास तौर पर शेयर बाजार तो उम्मीदों और आशंकाओं के अतिरेक में ही चलते हैं। खौफ के अतिरेक में शेयर बाजार डूब गया, इससे कई स्तरों पर चिंताएं पैदा हुई हैं। हाल में शेयर बाजार जब उछल रहा था तो कई कंपनियों ने अपने शेयर जारी किये थे और बहुत आसानी से अपने कारोबार के लिए पूंजी बाजार से जुटा ली थी। पर अब जब बाजार डूब रहा है तब ऐसे बाजार से पूंजी जुटा पाना आसान ना होगा। यानी पूंजी की उपलब्धता पर अवरोध लगेगा। यूं तातकक तौर पर देखें, तो अभी तक करीब 150 मामले ही ओमीक्रोन के आए हैं, पर इन 150 मामलों के साथ वो दुश्चिताएं दोबारा सिर उठाने लगी हैं जो अप्रैल मई 2021 के हादसों के साथ जुड़ी हैं। जब अस्पताल के बाद अस्पताल लोग भटक रहे थे बेड उपलब्ध नहीं थे, आक्सीजन उपलब्ध नहीं थी। क्या वैसा दोबारा होगा, इस सवाल का जवाब पक्के तौर पर कोई नही दे सकता है। अभी तक कुल मिलाकर यह साफ हुआ है कि ओमीक्रोन बहुत ही संक्रामक है, बहुत तेज गति से लोगों को शिकार बना लेता है, पर यह मारक नहीं है। यानी जनहानि की चिंता ज्यादा नहीं करनी चाहिए, ऐसा दुनिया भर का हाल का तजुरबा बताता है। पर कूल मिलाकर असावधानी नहीं बरती जानी चाहिए। और सरकारों को भी अपने आपातकालीन इंतजाम समय रहते दुरस्त कर लेने चाहिए। पर निवेश और खर्च का जो माहौल दोबारा आशंकाओं से ग्रस्त हो गया हैग उसे पटरी पर आने में समय लगेगा। संकट के वक्त या संकट की आशंका में लोग खर्च को टालते हैं और बचाकर रखते हैं रकम इस डर से कि पता नहीं कब आपातकाल की जरूरत पड़ जाए।

उत्तर प्रदेश : एक्सप्रेस-वे की राजनीति

अवधेश कुमार

उत्तर प्रदेश के चुनावी माहौल पर गहराई से नजर डालें तो भाजपा ने हाल के दिनों में एक्सप्रेसवे को एक मुद्दे के रूप में सामने लाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 दिसम्बर को शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया। चुनावी विश्लेषक यह प्रश्न उठा रहे हैं कि क्या भाजपा एक्सप्रेसवे के आधार पर इस बार चुनावी रण में विजित होने की उम्मीद कर रही है? यह प्रश्न अस्वाभाविक नहीं है। हालांकि एक्सप्रेसवे से चुनावी किले की विजय की पृष्ठभूमि नहीं है। बसपा प्रमुख मायावती के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में यमुना एक्सप्रेसवे का निर्माण किया गया। हां, 2012 के चुनावों से पहले, वह उसका उद्घाटन नहीं कर पाई। बावजूद लोगों को पता था कि यह एक्सप्रेसवे मायावती ने बनवाया है। सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे बनाने का फैसला किया। अखिलेश ने 2017 के चुनावों में इसे अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित भी किया। 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा की कैसी दुर्गति हुई यह बताने की आवश्यकता नहीं।

लेकिन भाजपा और इन दोनों पार्टियों में अंतर यह है कि जिस तरह प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों एक्सप्रेसवे को महिमामंडित करते हुए उसका प्रचार करते हैं, लोर्कापण और शिलान्यास को व्यापक महत्व देते हैं वैसा सपा नहीं कर सकी। अखिलेश को भी लगता है कि इसका असर मतदाताओं पर होगा तभी उन्होंने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के उद्घाटन से पहले दावा कर दिया कि यह उनकी परियोजना थी और भाजपा केवल प्रधानमंत्री से इसका फीता कटवा रही है। अखिलेश ने गाजीपुर से लखनऊ के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे विजय रथ यात्रा शुरू कर दी। इतनी बात सही है कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की योजना सपा सरकार में बनी किंतु इसके सारे कार्य और समय सीमा में योजना को पूरा करना तथा इसकी गुणवत्ता पहले की योजनाओं से बेहतर और क्षेत्रफल विस्तारित करने का काम योगी सरकार ने ही किया। आपने योजना बना दी इससे आप दावा के हकदार नहीं होते। गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के पहले भी अखिलेश ने बयान दे दिया कि यह परियोजना तो मायावती ने शुरू की थी। जाहिर है, इसके असर का भय नहीं होता तो अखिलेश को इस तरह के बयान देने की आवश्यकता नहीं होती। उनके बयान से यह सवाल तो जनता उठाएगी ही अगर मायावती के समय की योजना थी तो आपके कार्यकाल में भी यह पूरी क्यों नहीं हुई?

> यह मानने में कोई हर्ज नहीं है कि भाजपा गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना को पश्चिमी उप्र में अपने चुनावी तरकस में एक बड़े तीर के रूप में रख रही है। उसे लगता है कि इस परियोजना का आकर्षण क्षेत्र में ऐसा होगा जिससे कि सपा रालोद गठबंधन के साथ टिकैत के भारतीय किसान यूनियन के असर को भी कमजोर करेगा। किंतु यह भाजपा के मुद्दों में से एक है जिसके साथ वह कई चीजों को जोड़ती है। यह उसकी रणनीति है।

यह मानने में कोई हर्ज नहीं है कि भाजपा गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना को पश्चिमी उप्र में अपने चुनावी तरकस में एक बड़े तीर के रूप में रख रही है। उसे लगता है कि इस परियोजना का आकर्षण क्षेत्र में ऐसा होगा जिससे कि सपा रालोद गठबंधन के साथ टिकैत के भारतीय किसान यूनियन के असर को भी कमजोर करेगा। किंतु यह भाजपा के मुद्दों में से एक है जिसके साथ वह कई चीजों को जोड़ती है। यह उसकी रणनीति है। प्रधानमंत्री ने गंगा एक्सप्रेसवे को उप्र विकास को गति और शक्ति देने वाला बताते हुए जनता से कहा कि इससे एयरपोर्ट, मेट्रो, वाटरवेज, डिफेंस कॉरिडोर भी जोड़ा जाएगा और इसे फायबर ऑप्टिक केबल, बिजली तार बिछाने में आदि में भी इस्तेमाल किया जाएगा। भविष्य में पश्चिमी उप्र के कार्गो कंटेनर वाराणसी के ड्राइपोर्ट के माध्यम से सीधे हल्दिया भेजे जाएंगे। यह एक्सप्रेसवे समाज के हर तबके को फायदा देगा। पहले की योजनाओं का न इतना विस्तारित स्वरूप था और न अखिलेश और मायावती जनता के अंदर एक्सप्रेसवे की महिमा की ऐसी व्यापकता समझा पाते थे। प्रधानमंत्री ने जो बातें की वो सच भी हैं क्योंकि एक्सप्रेस वे केवल आवागमन का एक सामान्य साधन नहीं है। इससे आधुनिक विकास सहित सुरक्षा और कई व्यापक आयाम जुड़े हैं। यह सही है कि पश्चिमी उप्र की सामग्रियां इस माध्यम से वाराणसी पहुंच जल मार्ग के जरिए हल्दिया बंदरगाह आसानी से पहुंच जाएगी।

प्रधानमंत्री ऐसे अवसरों का दूसरे रूप में भी उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए गंगा एक्सप्रेसवे शिलान्यास कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले शाम होते ही सड़कों पर कट्टे लहराए जाते थे। पहले व्यापारी, कारोबारी घर से सुबह निकलता था तो परिवार को चिंता होती थी, गरीब परिवार दूसरे राज्य काम करने जाते थे तो घर और जमीन पर अवैध कब्जे की चिंता होती थी। कब कहां दंगा हो जाएं, कोई नहीं कह सकता था। बीते साढ़े 4 साल में योगी जी की सरकार ने स्थिति को सुधारने के लिए बहुत परिश्रम किया है। मुख्यमंत्री अब माफिया के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलवा रहे हैं। आज यूपी की जनता कह रही है- यूपी + योगी, बहुत है उपयोगी। योगी आदित्यनाथ का एक यूएसपी अपराधियों पर टूट पड़ना, माफियाओं के खिलाफ निर्भीक और प्रखर कार्रवाई तथा सांप्रदायिक दंगों पर नियंत्रण है।

भाजपा हर अवसर पर इसे सामने लाती है और एक्सप्रेसवे के उद्घाटन में प्रधानमंत्री ने इसको जिस तरीके से रखा उसे कुछ लोग अवश्य प्रभावित होंगे। पश्चिम उप्र में भी माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है और उनमें एक विशेष संप्रदाय के वे लोग निशाना बने हैं, जिनके विरोध पूर्व की सरकारें कार्रवाई नहीं कर पाती थीं। इसके साथ मोदी ने यह भी कह दिया कि कुछ दल ऐसे हैं जिन्हें देश की विरासत और विकास दोनों से दिक्कत है। इन लोगों को बाबा विनाथ का धाम बनने से, राम मंदिर से, गंगा जी की सफाई से दिक्कत है। यही लोग सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाते हैं, भारतीय वैज्ञानिकों की कोरोना वैक्सीन पर सवाल उठाते हैं। इस तरह आध्यात्मिक धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के अभूतपूर्व उन्नयन तथा जनमानस पर इसके असर को दृढ़ करने की दृष्टि से भी प्रधानमंत्री ने पूरा उपयोग किया। इसमें भाजपा के लिए हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, सुरक्षा आदि मुद्दे सब सामने आ गए। पश्चिमी उप्र में यह भावनाएं कितनी गहरी हैं इसका अंदाजा उन्हें होगा जिन्होंने वहां की सामाजिक मनोविज्ञान से वाकिफ होंगे। तो कार्यक्रम अवश्य एक्सप्रेसवे या अन्य परियोजनाओं के शिलान्यास का हो, भाजपा अपने सारे मुद्दे इसी माध्यम से जनता के सामने रखती है और यह उसकी रणनीति है।

घर में रहते हुए गुजारा भत्ता

फैसले पर न्यायिक व्यवस्था का इंतजार

अनूप भटनागर

अभी तक यही सुनते और पढ़ते आ रहे हैं कि अलग रह रही पत्नी या विवाह विच्छेद होने की स्थिति में ऐसी स्त्री और ऐसे दंपति की संतान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की हकदार है। यही नहीं, संतान की उपेक्षा का शिकार हो रहे माता-पिता भी इस कानून के तहत भरण-पोषण के हकदार हैं। लेकिन, क्या पति के साथ एक ही छत के नीचे रहने वाली पत्नी भी धारा 125 के तहत भरण-पोषण भत्ते का दावा कर सकती है? सुनने और पढ़ने में यह थोड़ा अजीब लगे लेकिन यह सवाल इस समय न्यायालय के विचाराधीन है।

दिल्ली की एक कुटुम्ब अदालत ने पति के साथ ही उसके घर में रहने वाली पत्नी की याचिका पर उसे गुजारा भत्ता देने का आदेश पति को दिया है। इस आदेश के परिप्रेक्ष्य में न्यायपालिका के समक्ष एक सवाल आया है कि क्या पति के साथ ही घर में रहने वाली पत्नी धारा 125 के तहत भरण-पोषण भत्ते का दावा कर सकती है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 का संबंध पत्नी, संतान और माता-पिता के भरण-पोषण से संबंधित है। इसके अंतर्गत कोई भी स्त्री पति की उपेक्षा या पति से अलग रहने की स्थिति में गुजारा भत्ते की हकदार होती है। यह प्रावधान ऐसे व्यक्ति की संतानों और माता-पिता के मामले में भी लागू होता है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेवानिवृत्त पति की याचिका पर अब पत्नी से जवाब मांगा है। पति ने सवाल उठाया है कि क्या अपने पति के साथ उसके ही घर में रहने वाली पत्नी धारा 125 के तहत गुजारा भत्ते की हकदार है। इस मामले में 10 फरवरी को आगे सुनवाई होगी। लेकिन पिछली तारीख पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि अगर पत्नी अनपढ़ हो या उसे एक ही घर में उपेक्षित छोड़ दिया जाए तो ऐसी स्थिति में पत्नी को गुजारा भत्ता देना पड़ता है।

सामान्यतया, पति द्वारा पत्नी का परित्याग करने, उसके साथ क्रूरता का व्यवहार कर उसे अलग रहने के लिए मजबूर करने या पति द्वारा दूसरी शादी कर लेने या पति का किसी अन्य महिला के साथ रहने, पति के किसी संक्रामक रोग से ग्रसित होने या पति द्वारा धर्म परिवर्तन कर लेने की वजह से पत्नी का उससे अलग रहना और विवाह विच्छेद जैसी परिस्थितियों में पत्नी दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ते के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकती है। लेकिन पेश मामले में पति-पत्नी एक ही घर में साथ-साथ रहते हैं। पति का दावा है कि वह अपनी पत्नी की सारी जरूरतों को पूरा करता है लेकिन इसके बावजूद गुजारा भत्ता के माध्यम से पत्नी रहन-सहन की दोहरी राहत चाहती है।

याचिकाकर्ता पति दिल्ली परिवहन निगम का सेवानिवृत्त विदुर कर्मचारी है और उसने तलाकशुदा महिला से दूसरी शादी की थी। इस व्यक्ति को सेवानिवृत्ति के बाद करीब तीस हजार रुपए पेंशन मिल रही है। याचिकाकर्ता पति का दावा है कि उसने सेवानिवृत्ति पर मिली ग्रेच्युटी की राशि में से 2018 में एकमुश्त पांच लाख रुपए अपनी पत्नी को दिए थे जो उसने एक साल के भीतर ही खर्च कर दिए। इसके बाद भी पत्नी की और पैसों की मांग का सिलसिला जारी रहा। इनकार करने पर उसने कथित रूप से इसके गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

इसके बाद ही पत्नी ने भरण-पोषण की मांग करते हुए कुटुम्ब अदालत में मामला दाखिल तीस हजार रुपए बतौर गुजारा भत्ता दिलाने का अनुरोध किया था।

चूंकि कुटुम्ब अदालत दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ते के लिए मुख्य मामला लंबित रहने के दौरान पत्नी, अवयस्क संतान, अविवाहित पुत्री और माता या पिता, जैसा प्रकरण हो, अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश दे सकती है, इसलिए अदालत ने पत्नी को भरण-पोषण के लिए हर महीने दस हजार रुपए महीने देने का अंतरिम आदेश दे दिया। याचिकाकर्ता का तर्क है कि कुटुम्ब अदालत ने धारा 125 के तहत अंतरिम गुजारा भत्ते का आदेश देते समय कुछ मूलभूत बिन्दुओं की अनदेखी की है।

इस सेवानिवृत्त कर्मचारी की दलील है कि कुटुम्ब अदालत ने पति और पत्नी के अलग रहने की अनिवार्यता संबंधी व्यवस्थाओं को नजरअंदाज कर दिया। यही नहीं, पेश मामले में पति द्वारा पत्नी की उपेक्षा करने या उसकी देखरेख करने से इनकार करने जैसा कोई साक्ष्य भी अदालत के समक्ष नहीं था।

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत पत्नी, अवयस्क संतान और माता-पिता को गुजारा भत्ता देने के मामले में अनेक फैसले हैं। न्यायालय ने पति के बेरोजगार होने और आय का पर्याप्त साधन नहीं होने की वजह से पत्नी और संतान को गुजारा भत्ता देने में असमर्थता को वैध आधार नहीं माना है। गुजारा भत्ता की पात्रता के सवाल पर पत्नी के शिक्षित या मॉडलिंग के कारण होने वाली आमदनी जैसी दलीलों पर भी अपनी सुविचारित व्यवस्थाएं हैं। लेकिन जहां तक पत्नी की पर्याप्त आमदनी का मुद्दा है तो पति को ही यह साबित करना होगा कि उससे अलग रहने वाली उसकी पत्नी खुद अपना जीवन निर्वहन करने में आर्थिक रूप से सक्षम है।

यही नहीं, धारा 125 के तहत न्यायालय ने उन परिस्थितियों की भी व्याख्या, जिनमें पति से अलग रहने वाली या विवाह विच्छेद की स्थिति अथवा पत्नी के दूसरी शादी करने से उत्पन्न स्थिति में गुजारा भत्ते के सवाल पर भी फैसले दिए हैं। लेकिन यह संभवत: पहला मामला है, जिसमें एक ही छत के नीचे रहने वाले पति-पत्नी के बीच गुजारा भत्ते का सवाल उठा है और अब इस पर न्यायिक व्यवस्था का इंतजार है।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

जी नमस्कार, भाग यहां से

सर्दी का मौसम तो इस मुल्क में महीने दो महीनों को ही आता है, चुनाव का सीजन अलबत्ता हमेशा रहता हैग पंचायत चुनाव, जिला परिषद चुनाव, नगर पालिका चुनाव, विधायक चुनाव, एमपी चुनाव जब नहीं चल रहे होते हैं, तो छात्र संघ के चुनाव और वो भी ना चल रहे होंग तो रोटरी क्लब लायंस क्लब के चुनाव। यह मुल्क चुनाव से फ्री ना होता, टेंट माइक वालों का धंधा हमेशा चकाचक रहता है। इधर हाल में बहुत मामला उलटा पुलटा हो लिया है।

अमेरिका से राजनीति विज्ञान के एक प्रोफेसर आये थे, उन्हें भारत की पालिटिक्स कुछ यूं समझायी- आलोक पुराणिक यानी आपु-देखिये प्रोफेसर साहब कैप्टन अमरिंदर सिंह भूतपूर्व कांग्रेस वाले अब भाजपा के साथ हैं। जान ले लूंगा से अब मामला ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे तक आ गया है। अमेरिकन प्रोफेसर उर्फ अप्रो-भाजपा और कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच जो आइडियोलोजिकल भेद, वैचारिक भेद थे, वो खत्म हो गये क्या। आपु-हाहाहाहाहा-देखिये जब मैं हाहाहाहा कहूं तो आप समझ लिया कीजिये कि आप ने कुछ चुटकुला टाइप बात कही है। ओके आगे देखिये, सिद्धू कभी भाजपा के साथ थे, अब वह लगता तो है कांग्रेस के साथ हैं, पर लगता नहीं है कि वह कांग्रेस के साथ हैं। मतलब वह है बस इतना भर माना जा सकता है। अमेरिकन प्रोफेसर-ओके ममता बनर्जी किसके साथ हैं। आपु-ममता बनर्जी गोआ में उनके साथ हैं, जो पहले कांग्रेस के साथ थे। ममता बनर्जी उत्तर प्रदेश में अब उनके साथ हैं, जो पहले कांग्रेस के साथ थे। ममता बनर्जी बंगाल में किसी को साथ नहीं रखतीं, क्योंकि वही सब कुछ हैं। ममता बनर्जी महाराष्ट्र में शरद पवार के साथ हैं और शरद पवार किसके साथ हैं, यह पता लगाना असंभव है। वैसे शरद पवार महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ हैं, शिवसेना कुछ साल पहले भाजपा के साथ थी। राजस्थान में सचिन पायलेट यूं तो अशोक गहलौत के साथ हैं, पर अशोक गहलौत भी उनके साथ हैं, यह पता ना चलता। अप्रो-बहुत कनफ्यूजन है ना। आपु-अगर आप पूरे कनफ्यूज्ड हो गये हैं, तो समझ लीजिये कि आपने इंडियन पालिटिक्स को समझ लिया। कुल मिलाकर हर नेता का हर नेता के साथ रिश्ता यही है-जी नमस्कार, चल फूट यहां से।

बेहतर प्रशासन

सटीक ड़ाटा से ही संभव

प्रभात सिन्हा

आजकल देश में डाटा की गुणवत्ता पर बहस जारी है। हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और ट्रांसपोर्ट एंड रिसर्च विंग के रेकॉर्ड्स में भारी असमानता पाई गई है। यही नहीं कोविड महामारी के डाटा में भी भरी असंगति पाई गई है। हमारे सरकारी विभाग सटीक डाटा सृजन और प्रसार में फिसड्डी साबित हो रहे हैं, नतीजा हम समय रहते आवश्यक कदम उठाने में असमर्थ हैं। उदाहरण के तौर पर देश में कोविड की दूसरी लहर की भयावहता को सीमित किया जा सकता था। साथ ही हम अपनी स्वास्थ्य प्रणाली को व्यवस्थित कर सकते थे। सरकार के पास आतंकवाद के कारण होनेवाली मौतों का भी ब्यौरा नहीं है, ना हीं कोयले के वर्तमान भंडारण का। बेहतर प्रशासन के लिए शासन के सभी स्तरों पर सटीक और उन्नत डाटा का सृजनग भंडारण और प्रसार अतिआवश्यक हो गया है। दुनिया के सभी विकसित देश डाटा का बेहतर उपयोग साक्ष्य आधारित नीति निर्धारण के लिए कर रहे हैं। यही नहीं, वर्तमान साल 2021 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कारों में भी डाटा की महत्ता को स्वीकार किया गया है। ॥ बड़े स्तर पर विकास की ओर अग्रसर राष्ट्रों को नीति निर्माण के लिए स्फूर्त और प्रभावी तंत्र की आवश्यकता होती है। हमारे देश में नीति निर्माण प्राय: सर्वेक्षण और परामर्श से होता हैग लेकिन देश की बड़ी आबादी और विविधता के कारण डाटा संकलन और नीति निर्माण के बीच बड़ा अंतराल हो जाता है। उदाहरण के लिये, चौथा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण दस वर्षों के अंतराल पर 2015-16 में प्रकाशित किया गया था। नतीजा हम पुरानी स्थिति के लिए नियम बनाते हैं, जो वर्तमान के लिए उपयुक्त नहीं।

वर्तमान में बेहतर डाटा प्रबंधन की कुछ चुनौतियां हैं, जिनका निर्धारण तकनीक के उपयोग से प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। वर्तमान में डाटा संग्रहण का मुख्य जरिया सर्वेक्षण है। सर्वेक्षण के लिए कर्मचारियों और अधिकारियों का एक बड़ा दल काम करता है। संख्या बड़ी होने के कारण सर्वेक्षण के सारे प्रतिभागियों को सुव्यवस्थित डेटा संग्रह और बेहतर रिपोतटंग के लिए एक मंच पर लाना कठिन हो जाता है। अलग-अलग विभागों द्वारा बड़ी मात्रा में संग्रहित डाटा का आपस में आदान प्रदान नहीं होता है। ज्यादातर एकत्रित डाटा मशीन द्वारा पठनीय प्रारूप में भी नहीं होता है। जमीनी स्तर पर तकनीक के इस्तेमाल के लिए अच्छे खासे निवेश के साथ स्थानीय कर्मचारियों का कौशल विकास भी करना होगा। जमीनी स्तर से शुद्ध डाटा के लिए योजना के साथ तकनीक का उपयोग करना होगा।

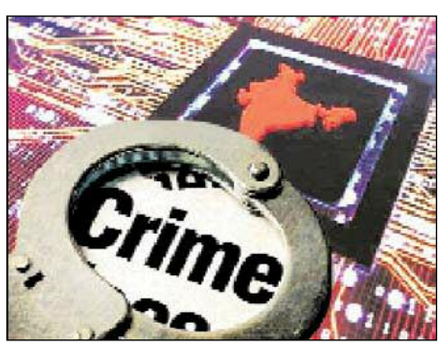

हमारे देश की सरकारें भी बेहतर डाटा प्रबंधन के लिए प्रयासरत हैं। उसी दिशा में नेशनल डाटा शेयरिंग एंड एक्सेसिबिलिटी पॉलिसी 2012 एक महद्मवपूर्ण कदम रहा हैग जिससे गैर संवेदनशील डाटा का उपयोग वैज्ञानिक, आतथक और सामाजिक विकास के उद्देश्य से सुगम बना दिया गया। साल 2012 में ही पंजीकृत डाटा.गोभ.इन के वेबसाइट से डाटा के केंद्रीय भण्डारण और स्रोत का लक्ष्य कुछ हद तक पूरा हुआ। अतीत के पंचवर्षीय योजनाओं ने स्वास्थ्य, प्राकृतिक आपदाओं, कृषि, सामाजिक विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनवरत और विशुद्ध डेटा संग्रह प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया है। 2001 में डॉ. रंगराजन आयोग की रिपोर्ट में भी जनोपयोगी नीति निर्धारण में डेटा की महत्व को स्वीकार किया गया है।

प्रशासन को और पारदर्शी बनाने के लिए तकनीक के योजनाबद्ध और प्रभावी इस्तेमाल की आवश्यकता है। डाटा का संग्रहण और एकत्रीकरण डिजिटल प्रारूप में हो। डाटा का एक केंद्रीय भंडार बने और वहां पर डाटा का भंडारण प्रभावी तरीके से हो, ताकि ग्राम, पंचायत, प्रखंड, जिला इत्यादि का डाटा आवश्यकता अनुसार देखा और उपयोग किया जा सके। नीति आयोग पहले से ही एक नेशनल डाटा एनालिटिक्स पोर्टल पर काम कर रहा, जिसको राज्यों और केंद्रशासित राज्यों के लिए डाटा का केंद्रीय भंडार बनाने की योजना है। आगे एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस का उपयोग कर विभिन्न विभागों और मंत्रालयों के डाटा का आपस में आदान प्रदान कर एकीकृत भंडारण हों। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा एकत्रित डाटा का सत्यापन कर डाटा की शुद्धता को बढ़ाया जा सकता है। डेटा अभिगम्यता, डाटा गुणवत्ता और डाटा के प्रभावी आदान प्रदान के लिए समरूप और अनुकूल तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है। साथ ही हमें आवश्यक कौशल विकास के कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर आवश्यक मानव संशाधन को भी तैयार करते रहना होगा। अभी हम डाटा प्रबंधन के शुरु आती चरण में हैं। और बेहतर प्रशासन और नीति निर्धारण के लिए कई आयामों को छूना बाकी है। (लेखक आईटी मामलों के विशेषज्ञ हैं)

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

25 दिसंबर को प्रात: 10.00 बजे लगेगा वैक्सीन कैम्प

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज की प्राचार्य श्रीमती शिवानी वर्मा ने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी सम्मानित सदस्यों एवं क्षेत्रवासियों को ष्क्रिसमस डेष् की शुभकामनाओं के साथ ये सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि आगामी दिनांक - 25ध्12ध्2021 को , प्रात: 10 बजे से कोविड-19 संक्रमण रोकने हेतु मुफ्त वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन लखनऊ मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज सेक्टर-10,पानीगांव पैलेस के पीछे, इंसाफनगर इंदिरा नगर लखनऊ में होना सुनिश्चित है ।

इसमें मुफ्त कोविशील्ड वैक्सीन प्रथम डोज एवं द्वितीय डोज दोनों लगवाई जाएगी ।अत: समस्त क्षेत्रवासियों जिन्हें भी वैक्सीन लगवानी हो वे उक्त कैम्प में आकर अपना वैक्सीनेशन करा सकते हैं । इसके लिए पहले से रजिस्ट्रेशन करवाने की आवश्यकता नहीं है ।कृपया अपने साथ आधार कार्ड एवं मोबाइल फोन जरूर लेकर आयें ।

ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा

संवाददाता

लखनऊ। ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत विकास खण्ड कार्यालय से भव्य तिरंगा यात्रा मोहनलाल गंज तक निकली गयी।

मोहनलाल गंज में अमृत महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला बिंदेश्वरी, जिला अध्यक्ष दिनेश लोधी, पूर्व विधायक का चंद्रा रावत ,युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष धीरू पांडे के नेतृत्व में विधान सभा क्षेत्र मोहनलालगंज की जनता के अलावा मुख्य अतिथि सह प्रान्त प्रचारक मनोज जी की उपस्थिति रही और इस कार्यक्रम में विशेष रूप से भारतीय सेना के सेवानिवृत अधिकारियों का सम्मान किया गया।

भारत की आजादी का अमृत महोत्सव सम्पन्न

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज इंसाफ नगर सेक्टर 10 इंदिरा नगर लखनऊ में भारत की आजादी का अमृत महोत्सव सम्पन्न हुआ। प्राचार्य श्रीमती शिवानी वर्मा के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए और भारत माता की वंदना की तथा पुष्पांजलि अर्पित की। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिसमें यूनिटी, पीस, होप, जॉय हाउस के छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। हाउस लीडर के नेतृत्व में बच्चों ने भारत माता का चित्र बनाया और कंपटीशन में भाग लिया। सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं, अभिभावकों एवं अतिथियों ने बच्चों के रचनात्मक कार्यक्रमों की प्रशंसा की। प्रबंधक हिमांशु वर्मा ने उत्कृष्ट एवं प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया।

भारतीय किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

कोराव प्रयागराज। कोरांव तहसील प्रांगण में भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के प्रदेश उपाध्यक्ष ललन सिंह सिंह पटेल के नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने धान क्रय केंद्र पर बिचौलियों द्वारा तौल नहरों में पानी न याने सहित किसानों की अन्य प्रमुख समस्याओं को लेकर तहसीलदार विशाल शर्मा कोरांव को ज्ञापन सौंपा जिसमें भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारियों के पहुंचने से किसान आंदोलन को बड़े नजरिया से देखा जा रहा है अगर शासन-प्रशासन तत्काल प्रभाव से समस्या का हल नहीं निकलता तो पिछले साल 26 जनवरी की पुनरावृति हो सकती है तहसील प्रांगण में

उपस्थित ललन सिंह पटेल ने कहा कि आज जिस तरह से किसानों की धान अवने पौने दाम पर खरीदी जा रही है इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि किसानों के प्रति शासन की मंशा साफ नहीं है वही भारतीय किसान यूनियन भानु के मंडल उपाध्यक्ष राजेश पांडे ने क्रय केंद्र प्रभारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों से बोरि ना होने का बहाना कर बिचौलियों के माध्यम से खरीदी चढ़ाई जा रही है इन सभी सभी क्रय केंद्रों की जांच कराते हुए दोषियों को खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो हम सभी संगठन एकजुट होकर संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में विशाल आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे ज्ञापन में प्रमुख रूप से लोक शक्ति के जिला अध्यक्ष रणधीर कुशवाहा ब्रिजेश मूर्तियां तहसील अध्यक्ष कमलेश कुशवाहा गायत्री प्रसाद सिंह हरि शंकर राम लखन सिंह वहीं भारतीय किसान यूनियन भानु के मंडल सचिव प्रकाश सिंह पटेल ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पराज शुक्ला जिला संगठन मंत्री पप्पू शुक्ला के साथ अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आजाद किसान यूनियन ने विभिन्न मांगों को लेकर तहसील में दिया धरना

संवाददाता

नजीबाबाद। नगर पालिका परिषद के राजस्व निरीक्षक के नेतृत्व में एक टीम ने नगर के दो मौहल्लों में सभासदों के सहयोग से स्ट्रीट वैंडरों की तलाश कर उनको प्रधानमंत्री स्वनिधि ऋण योजनाके तहत ऋण दिलाए जाने को फार्म भरवाए।

बीती शाम नगर पालिका परिषद के राजस्व निरीक्षक विपिन चौहान के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद कर्मचारियों की एक टीम ने नगर के मौहल्ला रम्पुरा वार्ड में निवास करने वाले स्ट्रीट वैंडरों, रेहड़ी-पटरी वालों को प्रधानमंत्री स्वनिधि ऋण योजना के तहत ऋण दिलाए जाने के लिए सभासद अच्छन ने क्षेत्र निवासी

रेहड़ी-पटरी वालों को एकत्रित कर उनके फार्म भरवाए। नगर पालिका परिषद के आरआई विपिन चौहान के नेतृत्व में उक्त टीम मौहल्ला पठानपुरा में भी पहुंची। जहां सभासद सुल्तान अहमद के सहयोग से मौहल्ले में निवास करने वाले स्ट्रीट वैंडरों के ऋण दिलाने के लिए फार्म भरवाए गए। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक विपिन चौहान ने कहा कि जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में वह नगर के सभी वार्डों मे अपनी टीम के साथ घूम-घूमकर स्ट्रीट वैंडरों को उक्त योजना का लाभ दिलाने के लिए फार्म भरवा रहे हैं। सरकार की ओर से चलायी जा रही प्रधानमंत्री स्वनिधि ऋण योजना का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिलना चाहिए। उन्होंने वार्डवासियों से कहा कि मौहल्ले के जो लोग काम के सिलसिले में उपलब्ध नहीं हैं, वह वार्ड मेम्बर से संपर्क कर अपने फार्म भर सकते हैं। इस अवसर पर उनके साथ लिपिक विशेष कुमार, लिपिक जमाल नासिर, टैक्स कलैक्टर मुजम्मिल, रुपेश कुमार व फुरकान अहमद पप्पू आदि मौजूद रहे।

115 छात्र छात्राओं को तंजीम के साथ पदाधिकारियो ने जर्सिया, मौजे और कैप वितरित किये

संवाददाता

नजीबाबाद। नगर की सामाजिक संस्था तंजीम पयाम ए हक सोसायटी रजिस्टर्ड की ओर से नगर के मौहल्ला हवेलीतला स्थित सिराजुल उलूम कन्या जूनियर हाई स्कूल के लगभग 115 छात्र छात्राओं को तंजीम के साथ पदाधिकारियो ने जर्सिया, मौजे और कैप वितरित किये।

मुफ्ती शिब्ली कासिम की तिलावत ए कलाम पाक से कार्यक्रम का आगाज़ होने के साथ ही स्कूल के बच्चों ने नात ए पाक पेश करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित किया करते हुए तंजीम के पयाम के अध्यक्ष सरदार मसरूर ज़फ़र ने कहा कि समाज के हर मजबूत तबके को आगे आकर गरीबों की मदद करनी चाहिए। डॉ0 वसीम बारी ने कहा की अगर हमारे समाज की एक महिला शिक्षित हो तो सिर्फ

महिला एक घर ही नहीं बल्कि आने वाली कई नस्ले इल्म की दौलत रोशन होगी। वही स्कूल की प्रधानाचार्या अन्दलीब खानम ने तंजीम पयाम ए हक सोसायटी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूर्व तहसीलदार शमीम अहमद, सरदार बलवीर मसरूर जफर, मौहम्मद हाशिम, डॉ0 इबादुर्रहमान, डॉ0 सुहैल, डॉ0 वसीम बारी, आरिफ एड0, सलीम एड0, असलम एड0. मजहर आलम, नफीस खान, इकबाल अंसारी, मुफ्ती शिबली कासमी, शमसुद्दीन सैफी, शाहिद खां, शमशाद अंसारी आदि मौजूद रहे।

पिकअप बोलेरो ने पीछे से मारी जोरदार टक्कर पुत्र की मौत,पिता घायल

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। मेजा थाना कोहडार चौकी अंतर्गत भटौती कोनिया तिराहे पर अनियंत्रित पिकप गाड़ी ने पिता और पुत्र को टक्कर मार दिया टक्कर में पुत्र की मौत हो गई तथा पिता गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अरुण निषाद पुत्र सत्यनारायण निषाद निवासी भटौती अपने बेटे अंश (2) वर्ष को लेकर कोनिया तिराहे पर सड़क पार कर रहा था। उसी दरम्यान मेजा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकप गाड़ी ने अरुण कुमार निषाद को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे अंश छिटक कर दूर जा गिरा जहां घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई और पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में बाजार में मौजूद लोगों ने घायल पिता को एंबुलेंस से हॉस्पिटल भिजवाया। सूचना पर पहुंचे डायल हंड्रेड के दरोगा असद खान ने वाहन सहित चालक को गिरफ्तार कर लिया।

सूचना पर कोतवाल मेजा तुषार दत्त त्यागी मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर आरोपी चालक को थाने ले गए।

वही बाजार वासियों की माने तो पिकअप चालक शराब के नशे में चूर था। माता गायत्री का रो रो कर बुरा हाल।

'रफ़ीक कुरैशी बने ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी'

अपने 100 वर्ष पूरे करने जा रही कुरैश बिरादरी की समाजिक संस्था आल इंडिया जमीयतुल कुरैश के उत्तर प्रदेश इकाई का अध्यक्ष पद का चुनाव पिछले महा हुआ जिसमें मेरठ के हाजी यूसुफ कुरैशी एडवोकेट को आल इंडिया जमीयतुल कुरैश उत्तर प्रदेश का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित प्रदेश

अध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष शिराजुद्दीन कुरेशी की संतुति पर अपनी कार्यसिमि का गठन करते हुऐ रफ़ीक कुरेशी को आल इंडिया जमीयतुल कुरैश उत्तर प्रदेश का मीडिया प्रभारी का पदभार सौंपा है।

वार्षिकोत्सव के प्रथम दिन बच्चों ने मचाया धमाल

जलेबी, मेंढक व गुब्बारा फुलाओ प्रतियोगिता में भाग लेकर किया मनोरंजन

संवाददाता

हरदोई। मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस पर बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से जहां स्वास्थ्यवर्धन व मनोरंजन किया। वहीं सुलेख प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना सुंदर लेख का प्रदर्शन किया। वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस पर विभिन्न प्रकार की आयोजित प्रतियोगिताओं में सुलेख प्रतियोगिता की प्राइमरी वर्ग की हिंदी सुलेख में दीपांशु वर्मा अव्वल रहे ,द्वितीय स्थान पर समृद्धि गौतम तथा तृतीय स्थान पर अनुष्का वर्मा रहे। इसी वर्ग में अंग्रेजी की सुलेख प्रतियोगिता में

मीनाक्षी अपूर्व, आस्था क्रमश: प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। सुलेख प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग की अंग्रेजी प्रतियोगिता में शुभी गुप्ता अव्वल रहीं, सिद्धि शुक्ला द्वितीय तथा प्रियांशी पाल तृतीय स्थान पर रहीं। बिंदी चिपकाओं प्रतियोगिता में बच्चों ने खूब मनोरंजन किया जिसमें प्रज्ञा गुप्ता ने प्रथम स्थान पाया, टॉफी रेप में ईशानी राठौर को प्रथम स्थान मिला। गुब्बारे फ ुलाव प्रतियोगिता में काव्या अव्वल रहीं। जलेबी दौड़ प्रतियोगिता में बच्चों ने खूब लुत्फ उठाया इसमें कबीर खान प्रथम रहे, द्वितीय स्थान पर कृष्णा राज व तृतीय स्थान पर आशिका कुमारी रहे। मेंढक दौड़ में प्रथम स्थान पर मोहम्मद कमराम, द्वितीय स्थान पर सूर्यांश गुप्ता तथा तृतीय स्थान पर आशुतोष गुप्ता रहे ।कलश सज्जा में रागिनी को प्रथम स्थान मिला। नींबू दौड़ प्रतियोगिता में कार्तिक गुप्ता अव्वल रहे दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमश: आदित्य शर्मा तथा केशव विश्वकर्मा रहे। म्यूजिकल चेयर में विवान वर्मा को प्रथम स्थान मिला, दूसरे स्थान पर अल्फाज तथा तीसरे स्थान पर अभ्युदय प्रताप रहे। निर्णायक मंडल में दिव्या सिंह, मंशा बाजपाई ,नैंसी गुप्ता, कविता गुप्ता ,अर्पिता सिंह, सोनम शुक्ला ,अर्चना प्रजापति ,स्वाति अवस्थी ,आरती वर्मा, आरती मिश्रा , नजरीन, रेखा रानी ,शशि बाला, पूजा सिंह रहीं। सभी प्रतियोगिताएं प्रधानाचार्या लक्ष्मी देवी के देखरेख में संपन्न हुईं। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से प्रबंधक अखिलेश सिंह,उप प्रबंधक मुकेश सिंह, बीना गुप्ता ,विनीता शुक्ला, शीलू मिश्रा, राम प्रकाश पांडेय, देवेश प्रसाद सिंह, संजय गुप्ता ,अशोक कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।यहां उल्लेखनीय है कि मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में चल रहा है वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन प्रात: 9. 30 बजे से चित्रकला , सामान्य ज्ञान , मेहंदी ,रंगोली आदि प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी।

मौलाना हुसैन द्वारा प्रभु जी का किया स्वागत

संवाददाता

लखनऊ नखास इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अली हुसैन द्वारा जय महा भारत पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवान श्री अनंत विष्णु देवा प्रभु जी का स्वागत बड़े धूमधाम किया गया। प्रभु जी ने सबको मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा का वचन दिया। मेहनतकश, ईमानदार ,मजदूर के उत्थान का पूरा ध्यान रखा जाएगा जिसका प्रचार प्रसार के लिए मौलाना जी ने जिम्मेदारी ली। अपनी ट्रस्ट के अधीन पढ़ने वाली लड़कियों को बुलाकर प्रभु जी द्वारा सम्मानित भी करवाया। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जोली खोसला ने सभी पुष्पमाला के साथ स्वागत किया गया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गयी बाइक सवार की जान

संवाददाता

स्योहारा। आज हुए एक और सड़क हादसे में एक और बाइक सवार की जान चली गयी, बाइक सवार को किसी अज्ञात वाहन में रौंद दिया है तो मोके पर पहुंची पुलिस घायल को सीएचसी लेकर आई जहां उसको मृत घोषित कर दिया

प्राप्त समाचार के अनुसार पुलिस को आज दोपहर सूचना मिली कि ठाकुरद्वारा मार्ग पर एक गया,समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नही हो पाई थी।

आज नजीबाबाद पहुंचेगी माता महालक्ष्मी की रथ यात्रा, नगर भ्रमण के दौरान पुष्प वर्षा कर होगा स्वागत

संवाददाता

नजीबाबाद। अग्रवाल सभा के तत्वाधान में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बताया गया कि अग्रोहा धाम से हमारी कुल देवी माता महालक्ष्मी की रथ यात्रा दिनांक 23-12-2021 दिन बृहस्पतिवार को प्रातः 12ः00 बजे रेलवे स्टेशन नजीबाबाद पधार रही है। जिसका स्वागत अग्रवाल सभा एवं समस्त वैश्य बंधुओं द्वारा किया जाएगा। माता महालक्ष्मी की रथ यात्रा रेलवे स्टेशन नजीबाबाद से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो कृष्णा टॉकीज चौराहा, सुराही बाजार, जगन्नाथ चौक, चौक बाजार होते हुए अग्रवाल धर्मशाला नजीबाबाद में पहुंचेगी। नगर भ्रमण के दौरान रथ यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगा। अग्रवाल सभा के पदाधिकारियों द्वारा समस्त वैश्य बंधुओं से निवेदन किया गया कि अधिक से अधिक संख्या में माता महालक्ष्मी की रथ यात्रा में सम्मिलित होकर आशीर्वाद प्राप्त करें और धर्म लाभ उठाएं। बैठक में अग्रवाल सभा के प्रधान राकेश गर्ग एडवोकेट, अमित अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल एडवोकेट, गौरव अग्रवाल एडवोकेट, आदित्य अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, सुनील गोयल, गगन अग्रवाल, यदु ऐरन, अखिलेश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल आदि रहे।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने माल थाने का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

माल, लखनऊ। पुलिस अधीक्षक लखनऊ ग्रामीण ह्रदेश कुमार ने बुधवार शाम को माल थाने का औचक निरीक्षण किया तथा थाने पर उप-निरीक्षकगणों का विवेचना जनशिकायतों के संबंध में अर्दली रूप कर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गये तथा इसके अतिरिक्त थाने के मालखाना, हवालात, कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, मेस, बैरिक आवासीय परिसर का निरीक्षण किया है। तथा अभिलेखों को अत्यावधिक करने के निर्देश दिए गये थाने के कर्मचारीगणो की समस्याएं सुनी तथा थाने पर समस्याए लेकर आने वाली जनता से सदव्यवहार करने एवं उनकी समस्याओं को तुरंत निस्तारण हेतु दिशा निर्देश दिये है। इस मौके पर एसपी ग्रामीण ह्रदेश कुमार, क्षेत्राधिकारी मलिहाबाद, माल थाना प्रभारी रविंद्र कुमार, सहित उपनिरीक्षक व कांस्टेबल मौजूद रहें।

बीकेटी से ललन कुमार को जिताइये और यूपी में कांग्रेस की सरकार बनाइए: भूपेश बघेल

संवाददाता

- छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार की तरह ही आपके यहां भी गेहूं और धान का मूल्य 2500 रुपये होगा: ललन कुमार
- बड़ी संख्या में आकर किसान रैली को सफल बनाने के लिए बीकेटी की जनता का धन्यवाद: ललन कुमार
- इतनी बड़ी संख्या लोगों का आना यह संदेश देता है कि कौन अपना है और कौन पराया: मनमोहन तिवारी

बक्शी का तालाब, लखनऊ। किसानों की समस्याओं एवं उनके अधिकारों को लेकर लखनऊ की बक्शी का तालाब विधानसभा के इटौंजा में किसान रैली का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में नागरिकों ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थे। भूपेश बघेल को बीकेटी के किसानों ने पगड़ी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा यूपी कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के संयोजक ललन कुमार ने भूपेश बघेल को बिजली पासी की बड़ी फोटो भेंट की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संबोधित करते हुए कहा कि ललन कुमार हमारे युवा साथी है। उन्होंने ललन कुमार जी को पगड़ी पहनाकर उन्हें किसानों का दोस्त बताया। साथ ही कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार है और वहाँ समर्थन मूल्य से अधिक धान की खरीदारी हो रही है। आप बीकेटी से ललन कुमार को जिताइये और यूपी में कांग्रेस की सरकार बनाइए। आपके यहां भी गेहूं और धान का मूल्य 2500 सौ रुपये होगा। उन्होंने कहा कांग्रेस को वोट दीजिए और किसानों का भला कीजिए। सभी वर्ग अपने अपने मुद्दों पर वोट करे न कि जाति धर्म के आधार पर, अजय कुमार लल्लू ने कहा उत्तर प्रदेश में किसान, नौजवान, हर इंसान परेशान है। यूपी सरकार में सारी की सारी भर्ती में पेपर लीक करवा दिया है। यूपी में भजपा सरकार में 40 बड़े घोटाले हुए हैं। हिन्दू को करुणावादी बताया और भाजपा को हिंदुत्ववादी बताया। ललन कुमार ने किसान रैली को

संबोधित करते हुए कहा कि जब हमारी सरकार बनेगी तो किसानों का कर्ज माफ होगा। साथ ही किसानों और आम जन का बिजली का भी माफ होगा। साथ ही कांग्रेस की सभी प्रतिज्ञाओं के बारे में बताया। कांग्रेस पार्टी के लखनऊ जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा की आज भाजपा जो राशन बाँट रही है वह बिल कांग्रेस लाई। सत्ता में नहीं रहते हुए भी ललन कुमार ने अपने क्षेत्र में जाकर लोगों की अपार सेवा की है। यह जनसैलाब बता रहा है इस बार जनता इन्हें विधायक के रुप में देखना चाहती है। मशहूर अभिनेता मनमोहन तिवारी ने कहा कि आज के समय मे इतनी बड़ी संख्या लोगों का आना यह संदेश देता है कि कौन अपना है और कौन पराया। कौन अपना साथी है, और कौन मेढ़क बरसाती है। यह पब्लिक है सब जानती है। जनता ललन कुमार जी के साथ है। एआईसीसी सोशल मीडिया कॉर्डिनेटर आयुष पांडे कहा कि उत्तर प्रदेश में जो सर्वे हो रहें हैं, उसमे बीकेटी विधानसभा से कांग्रेस की जीत की बात हो रही है। आप सभी ने रैली में भारी संख्या उपस्थित होकर इस सर्वे को पुख्ता कर दिया है। सुनील झांझरिया ने कहा की आप सभी ने इतनी बड़ी संख्या में आकर रैली को सफल बनाया है। इससे भाजपा की नींद उड़ जाएगी। जो राम और रावण में फर्क है वही कांग्रेस और भजपा में है।

भाजपा अवध प्रांत के चुनाव संगठन मंत्री हितानंद ने भाजपा कार्यालय पर बैठक की

संवाददाता

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष सगठन ने आगामी विधानसभा चुनावों की दमदार तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा ने संगठन को चुनावी माहौल में मुस्तैद करते हुए आज विशेष जिम्मेदारियां सौंपी। पार्टी ने पूर्णकालिक हितानंद को अवध क्षेत्र का संघठन मंत्री चुनाव बनाया। पार्टी ने जिला चुनाव समिति बैठक, मोर्चा सम्मेलन और आगामी जनविश्वास यात्रा का दायित्व सौंपा है। आज हितानंद ने आगामी विधानसभा चुनाव और जनविश्वास यात्रा और रैली की तैयारी के सिलसिले में जिला कार्यालय पर की बैठक। जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में हितानंद ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ से चुनावी तैयारियों पर चर्चा की। अवध क्षेत्र सगठन मंत्री चुनाव हितानंद ने बताया कि पार्टी और सरकार की जनता में मजबूत पकड़ बना रखी है, विपक्षी

दलों का कोई नाम नहीं लेने वाला है। बच्चा बच्चा भाजपा की धुन में रमा है। धर्म से लेकर विकास को अक्षुण रखने का काम भाजपा ने किया है। बिना किसी भेदभाव के जनता के विकास की कल्याणकारी योजनाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने का काम किया। आगामी जनविश्वास यात्रा में लोगो की जनभागीदारी हो ज्यादा से ज्यादा हो इसका सभी कार्यकर्ताओं को ध्यान रखना है। भाजपा सरकार पुन: स्थापित होगी इसका डंका जनता अभी से बजाने लगी है और पिछली बार से ज्यादा सीटें आने की उम्मीद है। जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने संघठन मंत्री चुनाव अवध क्षेत्र हितानंद का स्वागत करते हुए कहा कि जिले में हितानंद के अनुभवों से आगामी चुनाव में बहुत मदद मिलेगी। भाजपा की जनविश्वास यात्रा की सुगबुघाहट ने विपक्षी धड़ों में खलबली पैदा करदी है। इस यात्रा में जनता का भरपूर आशिर्वाद मिलनेवाला है जो विपक्ष की हवा निकालने का काम करेगी। भाजपा जिले की सभी सीटों पर भारी बहुमत से जीत सुनिश्चित करने का काम करेगी जिसमे जनता का 100 प्रतिशत का श्रेय रहेगा। हरदोई के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी भारतीय जनता पार्टी ने, अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर देखे तो संडीला औद्योगिक क्षेत्र में वैबले की हथियार बनाने वाली बहुत बड़ी इकाई स्थापित हुई, दशकों से लंबित सवायजपुर क्षेत्रवासियों की पुल की मांग को भाजपा सरकार ने पूरा किया। गंगा एक्सप्रेसवे को हरदोई से निकलने का काम, स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की स्थापना, डायलिसिस सेंटर स्थापना। बैठक में जिला पदाधिकारी गण जिला चुनाव संचालन समिति मोर्चा अध्यक्ष गण मौजूद रहे।

सर्दी से बचाव के लिए बच्चों महिला बुजुर्गो को वस्त्र वितरण

कानपुर। प्रत्येक वर्ष की भांति बदमदेव बाबा सत्संग समितिद्वारा वस्त्र वितरण का कार्यक्रम किया गया। जिसमे छोटे बच्चे, महिलायों तथा बर्जुगो को वस्त्र वितरित किये गये। समिति लगातार वितरण कैप का आयोजन करती रही है।

इसके पूर्व कोरोना काल में भोजन वितरण तथा मास्क वितरण किया। समिति द्वारा सीसामऊ विधानसभा मैं पांच कैंप और लगाये जाएंगे इसके पूर्व संस्था ने वैक्सीनेशन कैंप भी आयोजित किया था। संस्था के सदस्य लोगों से मदद मांगकर उन लोगों की मदद कर रहे हैं जिनकी मदद करने वाला कोई नहीं है। संस्था के लोग स्वयं अंशदान करके व्यवस्था करते है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नीमा त्रिपाठी (अध्यक्ष) कवलजीत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेश सेठ , सुबोध आदि मौजूद रहे।

Dheeraj Dhoopar B'day Spl: धीरज धूपर को पहली नजर में हुआ था विन्नी अरोड़ा से प्यार, जानें दिलचस्प किस्सा

धीरज धूपर (Dheeraj Dhoopa) को उनके फैंस टीवी शो 'कुंडली भाग्य' से जानते हैं, जिसमें वे करण लूथरा का रोल प्ले करते हैं. दर्शकों को करण और प्रीता की जोड़ी बेशक बहुत पसंद है, पर धीरज धूपर असल जिंदगी में किसी और के ही दीवाने हैं. वे अपनी पत्नी विन्नी अरोड़ा पर जान छिड़कते हैं. आइए, आज 20 दिसंबर को एक्टर के बर्थडे (Happy Birthday Dheeraj Dhoopar) पर उनकी लव स्टोरी के बारे में बताते हैं.

टीवी शो के सेट पर मिले थे धीरज और विन्नी

धीरज धूपर का जन्म 20 दिसंबर 1984 को दिल्ली में हुआ था. आज वे अपना 37वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं. वे और विन्नी अरोड़ी टीवी जगत के जाने-माने एक्टर्स हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पहली बार टीवी शो 'माता-पिता के चरणों में स्वर्ग' के शूट पर मिले थे. यह पहली नजर का प्यार था. ज्यादातर लव स्टोरी में जैसा होता है, वैसा ही कुछ इनकी लव स्टोरी में भी हुआ. दोनों के बीच पहली मुलाकात के बाद से ही खूब बातें होने लगीं.

फिर धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ी. दोस्ती कब प्यार में बदल गई, उन्हें पता ही नहीं चला. हालांकि, वे शुरू में लोगों की नजरों से अपना प्यार छुपाने में सफल रहे, पर आखिर ऐसी बातें छुपती कहां है. लोग ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री के साथ-साथ उनकी ऑफ स्क्रीन अफेयर को लेकर भी बात करने लगे.

धीरज ने 6 साल तक विन्नी को किया था डेट

धीरज और विन्नी ने करीब 6 साल तक एक-दूसरे को डेट किया था. फिर कपल ने शादी करने का फैसला किया. तब कपल की शादी में उनके तमाम दोस्त और करीबी शामिल हुए थे. कपल को अक्सर मीडिया के सामने एक-दूसरे की तारीफ करते हुए देखा गया है.

क्यूट कपल में से एक हैं धीरज और विन्नी

आज उनकी गिनती टीवी इंडस्ट्री के क्यूट कपल में होती है. वे सोशल मीडिया पर खुलकर एक-दूसरे के लिए अपना प्यार जाहिर करते हैं, जिससे पता चलता है कि उनके बीच काफी अच्छी अंडरस्टैंडिंग है. वे अपने फैंस को कपल गोल देते रहते हैं.

भारती सिंह ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए कहा- बहुत मजा आ रहा है मम्मी बनने में, फैंस ने मांगी Twins की दुआ

भारती सिंह (Bharti Singh) इन दिनों प्रेग्नेंट हैं. अपने शानदार सेंस ऑफ ह्यूमर से सबका मनोरंजन करने वालीं भारती ने अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी भी सोशल मीडिया पर बड़े ही मजेदार अंदाज में दिया था. अब एक बार फिर भारती ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें बेबी बंप फ्लॉन्ट (Bharti Singh Baby Bump) करते नजर आ रही हैं. पिछले दिनों भारती अपने वजन को लेकर चर्चा में थीं. इस फेमस कॉमियन ने पहले से अपना वजन काफी कम कर लिया है. प्रेग्नेंसी की वजह से भारती इन दिनों भले ही अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट से ब्रेक लिए हुए हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव हैं.

भारती सिंह को मम्मी बनने में आ रहा मजा

भारती सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें एक के बाद एक, अलग-अलग ड्रेस में नजर आ रही हैं. बेहद खूबसूरत हेयर स्टाइल और मेकअप में तैयार होकर बनाए गए इस वीडियो को शेयर कर भारती ने कैप्शन में लिखा है ' मम्मी बनने वाली हूं..बहुत मजा आ रहा है मम्मी बनने में'. भारती का ये वीडियो फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री के सेलेब्स को भी पसंद आ रहा है. सभी भारती को बधाई दे रहे हैं.

भारती के फैंस बोले- 'आपको Twins हो जाए'

भारती के इस वीडियो पर एक फैन ने लिखा,'222 मेरी क्यूटी आप सुपर क्यूट मॉम लग रही हैं'. इतना ही नहीं एक ने तो लिख दिया कि 'बधाई आपके ट्विन्स हो मैं चाहती हूं कि एक आप जैसी भारती और हर्ष भइया जैसा हो'.

भारती सिंह की अप्रैल में होगी डिलेवरी

बता दें कि भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया काफी समय से इस वक्त का इंतजार कर रहे थे. खबरों की माने तो अप्रैल 2022 में भारती की डिलेवरी होनी है. टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में भारती ने बताया था कि 'शुरुआती दिनों में घरवालों ने गुड न्यूज के बारे में किसी को बताने से मना किया था. इसलिए जब 4 महीने कंपलीट हो गए तब हमने प्रेग्नेंसी के बारे में सबको जानकारी दी'.

राज कुंद्रा ने पोर्नोग्राफी केस को लेकर बयां किया दर्द, बोले- आरोप साबित होने से पहले ही दोषी बना दिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी (Shilpa Shetty) के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा (Raj Kundra) ने पोर्नोग्राफी केस में पहली बार अपना दर्द बयां किया है. उन्होंने मामले में अपना ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी किया है. राज कुंद्रा के पोर्नोग्राफी केस (Pornography Case) में फंसने के बाद, शिल्पा शेट्टी और उनके परिवार के लिए पिछले कुछ महीने काफी मुश्किलों भरे रहे. पोर्नोग्राफी मामले में जेल में करीब 2 महीने बिताने के बाद जमानत पर बाहर आए राज कुंद्रा (Raj Kundra Statement) ने मीडिया से उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने और मामले में दखल ना देने की अपील की है.

पोर्नोग्राफी मामले में राज कुंद्रा का स्टेटमेंट

राज कुंद्रा ने अपने स्टेटमेंट में कहा- 'बहुत सोच-विचार करने के बाद मुझे लगा कि तमाम गैर-जिम्मेदाराना बयानों और गलत आर्टिकल्स पर मेरी चुप्पी को मेरी कमजोरी समझा जा रहा है. मैं कहना चाहता हूं कि मैं अपनी जिंदगी में कभी भी 'पोर्नोग्राफी' के प्रोडक्शन या डिस्ट्रीब्यूशन से नहीं जुड़ा. मैं कहना चाहता हूं कि ये मामला कुछ और नहीं बल्की ड्डitch Hunt है. ये मामला अभी भी विचाराधीन है, इसलिए मैं अभी कुछ भी स्पष्ट तौर पर नहीं कह सकता. लेकिन, मैं मुकदमें का सामना करने के लिए तैयार हूं.'

राज कुंद्रा ने अपने बयान में आगे कहा है- 'मुझे भारत की न्याय व्यवस्था और न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, जहां सच्चाई की जीत होगी. लेकिन, दुर्भाग्य से मुझ पर लगे आरोप साबित होने से पहले ही मेरे परिवार और मीडिया ने मुझे दोषी समझ लिया और मेरे मानवीय और संवैधानिक अधिकरों का उल्लंघन करते हुए दर्द दिया गया.'

खुशी कपूर ने मिरर सेल्फी शेयर कर दिखाई अपने बेडरूम की झलक

खुशी कपूर (Khushi Kapoor) ने रविवार 19 दिसंबर को इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे भूरे रंग की बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद हसीन लग रही हैं. फोटो में स्टार किड के बेडरूम (Khushi Kapoor Bedroom) की झलक मिल रही है, जिसमें उनकी जरूरत से जुड़े

खुशी कपूर (Khushi Kapoor) ने अपनी लेटेस्ट फोटो में फैंस को अपने बेडरूम की झलक दिखाई है. खुशी ब्राउन कलर की बॉडीकॉन ड्रेस में मिरर सेल्फी लेती नजर आ रही हैं. स्टार किड ने रविवार 19 दिसंबर को यह तस्वीर शेयर की है, जिसने नेटिजेंस का ध्यान खींचा है. खुशी का बेडरूम (Khushi Kapoor Bedroom) सिंपल मगर खूबसूरत है.

खुशी बॉडीकॉन ड्रेस में आई नजर

खुशी का कमरा काफी व्यवस्थित है. कमरे के बीच में एक बेड है. बेड के फ्रेम पर हेडबोर्ड और गद्दे पर खूबसूरत डिजाइन दिखाई दे रहा है. बेड के बगल में मैचिंग साइड टेबल भी रखी नजर आ रही है.खुशी का बिस्तर सफेद बेड शीट से ढका हुआ है. बेड उनकी अलमारी के पास रखा है. चॉकलेट भूरे रंग के लकड़ी के गेट पर नक्काशी की गई है. लेकिन, बेड के उलट अलमारी पर डिजाइन बहुत सरल है.

खुशी का कमरा है बेहद सुंदर

तस्वीर के सबसे आखिर में खुशी के शूज कलेक्शन को देखा जा सकता है. उन्होंने अपने शूज के लिए एक पूरी अलमारी बनवाई हुई है, जिसमें सबसे ऊपर हाई हील्स रखी दिख रही हैं. बैकग्राउंड में खुशी का डॉगी भी नजर आ रहा है. कमरे में लकड़ी का फर्श है.

मां श्रीदेवी की तरह एक्ट्रेस बनना चाहती हैं खुशी

खुशी अपने परिवार, पापा बोनी कपूर और बहन जाह्नवी कपूर के साथ मुंबई में रहती हैं. वे हायर स्टडीज के लिए 2019 में अमेरिका चली गई थीं. हालांकि, जब से कोविड -19 महामारी शुरू हुई है, तब से वे ज्यादातर समय मुंबई में ही रही हैं. बहन जाह्नवी और मां श्रीदेवी की तरह, खुशी भी एक एक्ट्रेस बनने की ख्वाहिश रखती हैं. ऐसी खबरें हैं कि खुशी जोया अख्तर की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है.

गर्म पानी पीने के फायदे

पानी हमारे शरीर का एक महत्पूर्ण कंटेंट है। आपने यह तो सुना ही होगा कि हमारे खून का अधिकतर हिस्सा पानी ही होता है। यही कारण है कि हमारे शरीर का हाइड्रेटेड रहना बहुत ज़रूरी होता है। गर्म हो या सामान्य तापमान का हमें शरीर की जरूरत के अनुसार पर्याप्त पानी पीते रहना चाहिए। हालांकि इस मामले में बहुत ज्यादा वैज्ञानिक शोध नहीं किए गए हैं, लेकिन लोग अपने ख़ुद के अनुभवों और अपने पूर्वजों के ज्ञान के आधार पर कहते हैं कि गर्म पानी पानी, ठंडा पानी पीने की तुलना में कहीं अधिक फायदेमंद होता है। हमने गर्म पानी पीने के कुछ फायदों की पड़ताल करने की सोची, खासकर यह देखते हुए कि गर्म पानी को पाचन में सुधार और कब्ज़ से मुक्ति का रामबाण उपाय सुनने के बाद।

पाचन सुधरता है : गर्म पानी पीने से पाचन तंत्र स्वस्थ बना रहता है। जैसे-जैसे गर्म पानी आपके पेट और आंतों से होकर गुज़रता है, शरीर के पाचनतंत्र से मल की निकासी में मदद मिलती है। मल की निकासी में मददगार होने के अलावा यह भी माना जाता है कि गर्म पानी भोजन के पाचन में भी सहायता करता है। इसके पीछे यह तर्क दिया जाता है कि हमारे द्वारा खाई गई कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जिनको पचाने में पेट को काफी परेशानी होती है। गर्म पानी पीने से वे पदार्थ घुल जाते हैं, जिसके कारण उन्हें ब्रेक करना आसान हो जाता है।

सर्दी-ज़ुकाम से बंद नाक खुलती है : ज़ुकाम होने पर गर्म पानी पीने की सलाह आपको भी मिली होगी। आज़माने पर आपने फर्क भी महसूस किया होगा। जो नाक बुरी तरह जाम हो गई थी, गर्म पानी की चुस्की लेने से खुलती है। गले की ख़राश में आराम मिलता है। दरअसल गर्म पानी से आपका बंद साइनस खुलता है। साइनस के चलते होनेवाला सिरदर्द भी कम होता है। सर्दी-ज़ुकाम में साइनस और गले में म्यूकस मेंब्रेन जमा होते हैं, जिसकी वजह से सबकुछ जाम-जाम सा हो जाता है। गर्म पानी पीने से वे पिघलते हैं।

कब्ज़ दूर करने में मदद मिलती है : आपने कभी ग़ौर किया है, जब आप लगातार कुछ दिनों तक पानी कम पीते हैं, तब आपको कब्ज़ की शिकायत होने लगती है। मल भी कठोर हो जाता है, जिसके कारण शौच के समय दिक़्क़त होने लगती है। समय रहते कब्ज़ पर ध्यान नहीं दिया गया तो पाइल्स जैसी दर्दनाक बीमारियां आपको परेशान करने के लिए तैयार बैठी हैं। कब्ज़ दूर करने के प्रभावी घरेलू तरीक़ों में एक है गर्म पानी पीना। गर्म पानी पीने से न केवल शरीर हाइड्रेटेड रहता है, बल्कि मल भी नरम हो जाता है। नरम मल के कारण शौच करते समय अधिक प्रयास नहीं करना पड़ता। गर्म पानी को रूटीन का हिस्सा बनाकर आप कब्ज़ के कब्ज़े से ख़ुद को आसानी से बाहर खींच लाते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है : शरीर में रक्त संचार सुचारू रूप से होते रहना बहुत ज़रूरी है, आख़िर यह ब्लड प्रेशर के साथ-साथ हमारे हृदय के स्वास्थ्य से जुड़ी बात है। जब आप गर्म पानी से नहाते हैं, तब ब्लड सर्कुलेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानेवाली धमनियां और नसों में प्रसरण होता है, जिसके कारण रक्त को कंडक्ट करने की उनकी कैपिसिटी बढ़ती है। लगभग ऐसा ही प्रभाव गर्म पानी पीने से भी होता है।

टमाटर में छिपा है कुदरती खूबसूरती का राज

टमाटर न सिर्फ खाने के लिए बेस्ट है बल्कि चेहरे की खूबसूरती और त्वचा को निखारने के भी काम आता है। चेहरा आपके शरीर का महत्वपूर्ण अंग होता है। टमाटर में मौजूद विटामिन सी, एंटी ऑक्सीडेंट, पोटैशियम, लाइकोपेन चेहरे को सुंदर और रंग में निखार लाता है। इसके अलावा एंटी एजिंग के प्रभाव को काबू करने में भी मददगार साबित होता है। इसका इस्तेमाल कर त्वचा से अतिरिक्त ऑयल खत्म किया जा सकता है। इसके लिए टमामट के गूदे को त्वचा पर रगड़ें और पांच मिनट बाद धो लें।

टमाटर के जूस को त्वचा पर लगाएं। उसमें मौजूद लाइकोपेन स्किन की टोन को बेहतर करेगा और आपको ताजगी भी देगा। टमाटर रोम छिद्रों को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। उसका रस चेहरे पर लगाकर रगड़ें। यहां तक कि चेहरे के रोम छिद्र में अच्छी तरह पहुंच जाएं। त्वचा के रोम छिद्र में रस शामिल होने के 20 मिनट बाद धो लें।

दो चम्मच टमाटर का जूस, दो चम्मच दही और एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर रुई के जरिए त्वचा पर मसाज करें। 15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। प्रतिदिन इस विधि को अपनाकर झुर्रियों को काबू में किया जा सकता है। जली हुई स्किन और मृत कोशिकाओं को कंट्रोल करने में टमाटर आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए पाबंदी से उसका रस चेहरे पर लगाएं। चेहरा धूप की किरणों से काला पड़ जाए तो टमाटर को रगड़ा जा सकता है।

धूप के कारण काले पड़ गए हैं हाथ-पैर

धूप में लगातार घूमने के कारण चेहरे ही नहीं हाथों, गर्दन व पैरों पर भी टैनिंग हो जाती है। बेशक यह आम-सी समस्या है लेकिन अगर समय पर कोई ट्रीटमेंट ना किया जाए तो धीरे-धीरे प्रभावित हिस्से की स्किन काली पड़ जाती है, जो देखने में काफी भद्दी लगता है। हालांकि बहुत-सी लड़कियां इसके लिए मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं लेकिन उसके केमिकल्स से स्किन को नुकसान भी पहुंच सकता है। ऐसे में आप किचन में मौजूद कुछ चीजों से टैनिंग की छुट्टी कर सकती हैं, वो भी कम खर्च और बिना किसी साइड-इफैक्ट के।

दही

दही में लैक्टिक एसिड मौजूद होता है जो त्वचा में नमी को बरकरार रखता है। इसे आप क्लींजर के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

क्या करें?

इसके लिए 2 बड़े चम्मच दही और 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इस पेस्ट को 20 मिनट के लिए हाथों पर लगा कर छोड़ दें। फिर सादे पानी से धो लें।

टमाटर

टमाटर में ब्लीचिंग गुण और कई तरह के यौगिक होते हैं, जो टैन को कम करने के साथ त्वचा को निखारने में भी मदद करते हैं।

क्या करें?

इसके लिए टमाटर के पल्प को टैनिंग वाली जगह पर 20 मिनट लगाएं और फिर ताजे पानी से धो लें। इसके अलावा टमाटर को आधा काटकर उसपर मलाई लगाएं। फिर इससे प्रभावित हिस्से पर मसाज करें। इससे भी टैनिंग रिमूव हो जाएगी।

नींबू रस

एंटी-पिगमेंट्री और विटामिन सी से भरपूर नींबू स्किन के लिए ब्लीच की तरह काम करता है, जिससे टैनिंग दूर हो जाती है। ध्यान रखें कि इसे सीधा स्किन पर ना लगाएं और अगर एलर्जी है तो इससे दूर रहें।

क्या करें?

नींबू के रस में थोड़ा-सा पानी मिलाएं। इसमें कॉटन बाल को भिगोकर हाथों या टैनिंग वाली जगह पर 20 मिनट तक लगाएं और फिर ताजे पानी से धो लें। नियमित ऐसा करने से आपको फर्क दिखेगा।

एलोवेर

एलोवेरा में विटामिन सी, कैरोटीन होता है, जो स्किन सेल्स को बढ़ावा देता है और टैनिंग की समस्या को भी कम करता है।

क्या करें?

इसके लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित हिस्से पर 15 मिनट तक लगाकर रखें और फिर धो लें।

खीरा

खीरे में मॉइश्चराइजिंग और बायोएक्टिव गुण होते हैं जो सनटैन के प्रभाव को कम करते हैं। साथ ही इसके हाइड्रेटिंग गुण त्वचा में नमी भी बनाए रखते हैं।

क्या करें?

1 खीरा के रस में 1 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। इस मिश्रण को हाथों और टैनिंग वाले हिस्से पर 20 मिनट तक लगाएं। इसके बाद ताजे पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम 3-4 बार ऐसा करें।

ब्रेस्ट कैंसर से छुटकारा दिलाती है काली मिर्च

काली मिर्च हर किचन में मसाले के रूप में पायी जाती है। काली मिर्च में आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, क्रोमियम, विटामिन ए और सीए और अन्य पोषक तत्त्व मौजूद हैं। काली मिर्च का प्रयोग खाने में किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी बचा जा सकता है।

काली मिर्च के फायदे:

- काली मिर्च कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से शरीर की सुरक्षा करता है। ब्रेस्ट कैंसर को होने से रोकने में काली मिर्च काफी सहायक है। काली मिर्च के नियमित सेवन से स्तन कैंसर की गांठ नहीं बनती है।
- काली मिर्च टेस्ट बड्स से पेट को संकेत भेजता है और हाइड्रोक्लोरिक एसिड का उत्पादन करने के लिए प्रेरित करता है। इस एसिड से पेट की पाचन क्रिया सही होती है। यह एसिड भोजन सामग्री को पचाने में सहायक है।
- नियमित काली मिर्च का सेवन करने से वजन पर भी नियंत्रण पाया जा सकता है। इसमें शक्तिशाली फाइटोन्यूट्रीसियंस होते हैं जो वसा की बाहरी परत को तोड़ने में सहायक होते हैं।
- काली मिर्च पेट की गैस से राहत दिलाती है। काली मिर्च में वातहर गुण पाया जाता है, इसके सेवन से पेट में गैस नहीं बनती है और पेट ठीक रहता है। काली मिर्च शरीर की ये समस्या दूर करने में सबसे कारगर साबित होती है।

40 के बाद इन एक्सरसाइज से रखें खुद को फिट

अगर आपकी उम्र भी 40 के पार है और आप खुद को फिट रखना चाहते हैं तो इन 5 एक्ससाइज को रोजाना करेंगे तो आप फटि रहेंगे।

1 सबसे पहले सुबह उठकर एक्सरसाइज शुरू करते ही आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं। पैरों के बीच में गैप रखें। अब एक हाथ से अपोजिट पैर को छुएं और फिर दूसरे हाथ से दूसरे पैर को छुएं। इस एक्सरसाइज को कम से कम 10 मिनट जरूर करें।

2 पैरों की साइकलिंग को बहुत अच्छी एक्सरसाइज माना जाता है। इसे सुबह-सुबह जरूर करें। इसके लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं और फिर दोनों पैरों को थोड़ा उठाएं और साइकिल के पैडल पर पैर चलाते है ठीक उसी तरह से पैरों को चलाएं। इस तरह कम 15 मिनट करें।

3 थाई एक्सरसाइज से आपके मांसपेशियां में होने वाली अकड़न दूर होती है। इसके लिए सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं और दोनों हाथों को कमर पर रखें और अपना पैर फोल्ड करके खड़े हो और आगे औ र पीछे की तरफ झुके। यह एक्सरसाइज को करने से आपकी थाई के अलावा घुटने को भी मजबूत करती है।

4 साइड लेग एक्सरसाइज पैरों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। इसके लिए आप जमीन पर करवट लेकर लेट जाएं और एक हाथ को शरीर के नीचे और दूसरे हाथ को कमर पर रखें। एक पैर को दूसरे पर रखते हुए फिर आपनी टागें तानकर सीधा करें। ऐसा तब तक करें कि जब तक आपके हिप्स पर दबाव महसूस ना हो।

5 इनके साथ-साथ हाथ और गर्दन की स्ट्रेंचिंग करना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए आप दोनों पैरों को फोल्ड करके बैठ जाए और अपनी गर्दन को चारों दिशाओं में घुमाएं। ऐसा करने से गर्दन में आराम मिलेगा। हाथों की स्ट्रेंचिंग के लिए दोनों हाथों को फैलाएं और फिर सिर के ऊपर और नीचे लेकर जाएं।

ऑफ़िस में ऐसी न हो आपकी बॉडी लैंग्वेज

जिस तरह ऑफ़िस में हम सबसे एक शालीन भाषा व व्यवहार की अपेक्षा रखी जाती हैं, उसी तरह हमारी देहभाषा यानी बॉडी लैंग्वेज भी शालीन होनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि आपकी बॉडी लैंग्वेज बिना कुछ कहे आपके बारे में बहुत कुछ कह जाती है। आइए जानें, बॉडी लैंग्वेज से संबंधित पांच ग़लतियां, जिनसे आपको हर हाल में बचना है।

गलती नंबर 1

कंधे झुकाकर रखना : कंधे झुकाने को थक जाने या हार मानने का प्रतीक माना जाता है। जब ऑफ़िस में आपके कंधे झुके होते हैं तो उससे यह अंदाज़ा लगाया जाता है कि आपमें एनर्जी नहीं है। और तो और आपको किसी चीज़ की ज़्यादा परवाह नहीं है। आपको ऑफ़िस के काम में इंट्रेस्ट नहीं है। आप काम को सीरियसली नहीं लेते हैं। आपके झुके हुए कंधे कुल मिलाकर ऑफ़िस में आपकी नेवगेटिव क्षवि बनाते हैं। तो जब अगली बार आपके बॉस या सहकर्मी आपसे बात कर रहे हों तो चौकस रहें। उनकी बातों को ध्यान से सुनें। आप अपनी कुर्सी पर थोड़ा-सा आगे की ओर सरक जाएं और बीच-बीच में अपना सिर हिलाते हुए यह जताएं कि आप उनकी बातों पर गौर कर रहे हैं। हां, जरूरत से ज्यादा सिर हिलाने से यह लग सकता है कि आप दिखावा कर रहे हैं या बेहद नर्वस हैं। आपको इससे भी बचना है।

गलती नंबर 2:

बात करते हुए यहां-वहां देखना

जब कोई आपसे बात कर रहा हो तो आपको उसकी आंखों में देखना चाहिए कहने का मतलब आई कॉन्टैक्ट प्रॉपर रखना चाहिए। यहां-वहां देखने को ठीक नहीं माना जाता। इसका यह मतलब लगाया जाता है कि आपको सामनेवाले की बातों में कोई रुचि नहीं है। पर कुछ लोग आई कॉन्टैक्ट को इतना सीरियसली ले लेते हैं कि वे सामनेवाले को इस तरह घूरने लगते हैं कि वह असहज हो जाता है। ऐसे में करें क्या? इसका सबसे अच्छा तरीक़ा है बातचीत करते समय 3 से 5 सेकेंड तक सामनेवाले की आंखों में देखें, फिर अपनी आंखें हटा लें और उसके बाद दोबारा 3 से 5 सेकेंड का आई कॉन्टैक्ट बनाएं।

गलती नंबर 3:

एकदम से पास आकर बैठ जाना

जब आप ऑफ़िस में किसी अकेले व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के साथ बात कर रहे हों तो आपको इस बात का ख़ास ध्यान रखना होगा कि आपके और उनके बीच ठीक-ठाक फ़ासला हो। एकदम से पास जाकर बात करना ठीक नहीं माना जाता। वहीं एक और बात भी ज़रूरी है। जब कोई आपसे बात करने आए तो अपने काम में लगे रहने के बजाय उसकी ओर ध्यान दें। अगर आप कम्प्यूटर या लैपटॉप पर काम कर रहे हों या कुछ पढ़-लिख रहे हों तो काम करना बंद करके बातचीत करें। अगर आपका काम बहुत अर्जेंट और महत्वपूर्ण हो तो उस व्यक्ति को यह बताते हुए कुछ देर बाद आने कहें।

गलती नंबर 4:

बातचीत के दौरान हाथों का कुछ ज्यादा ही मूवमेंट

कई लोग बातचीत करते समय आई कॉन्टैक्ट बनाने जैसा बेसिक नियम तो फ़ॉलो करते हैं, पर उनके हाथों की उंगलियां कुछ और करती रहती हैं। मसलन वे उंगलियां चटकाते रहते हैं या किसी चीज़ से खेल रहे होते हैं। आजकल तो बेवजह मोबाइल की स्क्रीन पर स्वाइप कर रहे होते हैं। इस बॉडी लैंग्वेज से यह इम्प्रेशन जाता है कि मुझे तुम्हारी बातों में कोई खास रुचि नहीं है।

गलती नंबर 5:

बांहें क्रॉस करके रखना

जब बॉस या दूसरे सहकर्मी आपसे बात कर रहे हों और आप बांहें क्रॉस करके खड़े हों तो मतलब यह है कि आप डिफ़ेंसिव मुद्रा में हैं और बातचीत में बहुत ज़्यादा इंट्रेस्ट नहीं ले रहे हैं। तो अगली बार जब बॉस आपसे बात कर रहा हो या कोई ब्रीफ़ दे रहा हो तो सीधे बैठें या खड़े रहें। आपके कंधे और हाथ रिलैक्स्ड होने चाहिए। अगर आप खड़े हैं तो अपने दोनों हाथों को शरीर के आगे की ओर रखें।

डेंगू से निपटने के घरेलू उपाय

आक्सर बारिश के मौसम में मच्छरों से फैलने वाला बुखार, डेंगू संक्रमण के कारण होता है, जो शरीर के लिए घातक भी साबित होता है। इससे होने वाले बुखार बहुत तेज होता है। जैसा कि हम जानते हैं कि रोकथाम भी एक प्रकार का इलाज ही है तो आज हम आपको डेंगू की रोकथाम के घरेलू उपचार के बारें में बताने जा रहे हैं।

डेंगू की रोकथाम के उपाय:

रात्री को सोते वक्त मच्छरदानी का इस्तेमाल करें, और अगरबत्ती या मच्छर से बचाने वाले स्प्रे का इस्तेमाल करें। अपने आसपास साफ-सफाई का स्पेशल ख्याल रखें और आसपास खुले में पानी एकत्रित न होने दें।

हल्दी एक एंटी बायोटिक दवा है। इसके हर रोज उपयोग से हम डेंगू से बच सकते हैं। तुलसी को उबालकर शहद संग पीने से भी डेंगू से बचाव संभव है। तुलसी को चाय या काढ़े में भी डालकर पी सकते हैं।

तुलसी में एंटी-बैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं जो डेंगू के वायरस से बचाव में फायेदमंद होते हैं। डेंगू से होने वाली कमज़ोरी और रक्त की कमी को ठीक करने के लिए अनार का उपयोग भी करना चाहिए।

गिलोय हर प्रकार की बीमारी का रामबाण उपचार है। इसकी डाली को तोड़कर, कूटकर और उबाल कर काढ़ा पिने से यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बहुत अधिक बढ़ा देता है।

जीरे से बनाएं स्क्रब

चेहरे को साफ करने का है सबसे आसान तरीका

रसोई में रखा जीरा तड़का लगाने के काम आता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि जीरे से चेहरे पर भी निखार लाया जा सकता है। वैसे तो जीरा सेहत और पेट के लिए लाभकारी होता है। वहीं जीरे से बना स्क्रब चेहरे को अंदर तक साफ करता है। तो चलिए जानें जीरे से स्क्रब बनाने का तरीका जो स्किन को आसानी से साफ करेगा और आपके पार्लर का भी पैसा बचाएगा। जीरे में मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज स्किन को हमेशा यूथफूल बनाए रखते हैं।

ऐसे बनता है जीरे का स्क्रब

दो चम्मच जीरा, आधा कप चीनी, बड़ा चम्मच शहद, तीन से चार बूंदे बादाम के तेल की और टी ट्री ऑयल की बीस बूंदे। इन सारी चीजों को एक बाउल में लेकर मिला लें। जीरे के साथ चीनी को अच्छी तरह से मिक्स करें। फिर किसी शीशी में भरकर इसे रख दें। जीरे से तैयार ये स्क्रब स्किन के लिए बहुत फायदेमंद है। स्किन की टैनिंग को हटाने के लिए जीरे को पीसकर इसमें दही मिला दें। फिर गुलाबजल मिलाकर स्किन पर लगाएं।

चेहरे पर निखार

चेहरे को साफ और गोरा करने के लिए जीरा पाउडर में हल्दी पाउडर और शहद मिलाकर लगाएं, इससे आपके चेहरे की फेयरनेस बढ़ने के साथ निखार भी आएगा।

चेहरे के रिंकल्स

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर आने वाले रिंकल्स को दूर रखने के लिए भी जीरे का इस्तेमाल किया जाता है। इसके लिए जीरे को बेसन व कच्चे दूध में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से रिंकल्स दूर होते हैं।

आज की रेसिपी

रसमलाई

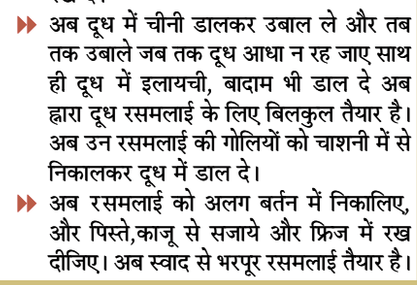

सामग्री :

- 2 लीटर दूध फुल क्रीम
- चीनी आवश्कतानुसार
- केसर एक चुटकी
- कटे हुए बादाम
- छेना 500 gram
- छोटी इलायची 3 से 4 पीसी हुई

विधि :

- सबसे पहले छेने को किसी बर्तन में डालकर अपने हाथो से अच्छी तरह मथ के बाद नर्म कर ले।
- इसके बाद यह बिलुल गुथा हुआ आटा के समान हो जाएगा। इसमें से कुछ छेना अलग निकाल ले और बाकि की छोटी -छोटी गोलिया बना कर रख ले।
- उसके बाद आप चीनी की सहायता से चाशनी को तैयार करे जब चाशनी बनकर तैयार हो जाए तब उन गोलियों को गर्म चशनी में डाल दे और 15-20 मिनट तक रहने दे , उन गोलियों का आकार बड़ा हो जाएगा अब इनको चाशनी में से निकलकर ठंडा होने के लिए साफ जगह पर रख दे।
- अब दूध में चीनी डालकर उबाल ले और तब तक उबाले जब तक दूध आधा न रह जाए साथ ही दूध में इलायची, बादाम भी डाल दे अब ह्रारा दूध रसमलाई के लिए बिलकुल तैयार है। अब उन रसमलाई की गोलियों को चाशनी में से निकालकर दूध में डाल दे।
- अब रसमलाई को अलग बर्तन में निकालिए, और पिस्ते,काजू से सजाये और फ्रिज में रख दीजिए। अब स्वाद से भरपूर रसमलाई तैयार है।

ओमिक्रोन के चलते भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका बाक्सिंग डे टेस्ट मैच को लेकर आई बड़ी खबर

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 26 दिसंबर से खेला जाएगा, जो कि बाक्सिंग डे टेस्ट मैच होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेंचुरियन में शुरू होने वाला पहला टेस्ट दर्शकों के बिना खेला जाएगा, क्योंकि मेजबान देश का क्रिकेट बोर्ड नए कोविड -19 वैरिएंट ओमिक्रोन को देखते हुए टिकट नहीं बेच रहा है। केवल कुछ ही लोग मैच को लाइव देख पाएंगे। हालांकि, सरकार द्वारा लागू वर्तमान कोरोना प्रोटोकाल के तहत दो हजार प्रशंसकों के लिए अनुमति है, लेकिन क्रिकेट साउथ अफ्रीका यानी सीएसए इस समय किसी भी प्रकार का खतरा मोल लेने की स्थिति में नहीं है।

यही कारण है कि कम से कम फिलहाल के लिए पहला टेस्ट बंद दरवाजों के पीछे आयोजित होगा। हालांकि, आयोजक इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि क्या अगले सप्ताह कोविड -19 के संबंध में सरकारी नियमों में कोई बदलाव होता है या नहीं। वांडरर्स में तीन जनवरी से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के लिए फि लहाल कोई टिकट नहीं बिक रहा है। स्टेडियम के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा गया है, ष्कृपया ध्यान दें, दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच वांडरर्स स्टेडियम में आगामी टेस्ट मैच के लिए टिकट बिक्री के संबंध में कोई घोषणा नहीं की गई है। आपकी जानकारी के लिए बता दें, कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन के कारण इस सीरीज को दस दिन आगे खिसकाया गया है। यहां तक कि भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका के दौरे पर टी20 सीरीज भी खेलनी थी, लेकिन इस सीमित ओवरों की सीरीज को कैंसिल किया गया है, जबकि तीन मैचों की टेस्ट सीरीज और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज भारतीय टीम को इस दौरे पर खेलनी है।

रोहित शर्मा के न होने पर कौन होगा केएल राहुल का ओपनिंग पार्टनर, मयंक अग्रवाल का नाम सबसे आगे

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका दौरा इसी महीने 26 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। टीम इंडिया यहां सबसे पहले तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी, जिसके बाद इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के चोटिल होने के बाद टेस्ट सीरीज से बाहर होने से भारत की मुश्किलें बढ़ी हैं, क्योंकि उनका इस साल टेस्ट में प्रदर्शन शानदार रहा है। उनके न होने पर सभी के मन में यही सवाल है कि ओपनिंग में केएल राहुल के साथ कौन उतरेगा। इस सवाल के जवाब में सबसे पहला नाम मयंक अग्रवाल का आता है, जिन्होंने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। मयंक को कीवी टीम के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में रोहित और राहुल के खेलने का फायदा मिला। दोनों खिलाड़ियों को इस सीरीज में आराम दिया गया था। मयंक कानपुर में खेले गए पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके थे, लेकिन मुंबई में उन्होंने 150 और 62 रन की शानदार पारियां खेली, जिसके लिए उन्हें मैच का बेस्ट खिलाड़ी चुना गया। इस मैच में न्यूजीलैंड की तरफ से एजाज पटेल ने भारत की पहली पारी के सभी 10 विकेट झटके, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मैन ऑफ द मैच नहीं चुना गया था। मयंक ने मुंबई टेस्ट की दोनों पारियों में अच्छा प्रदर्शन कर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई और टॉप 10 में जगह बनाने के करीब पहुंच गए। उन्हें यहां 31 स्थान का फायदा हुआ और 11वें नंबर पर पहुंच गए। मौजूदा समय में उनकी रैंकिंग 12वीं है। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक हैं। मयंक के अलावा इस रैंकिंग में रोहित चौथे और कप्तान विराट कोहली सातवें नंबर पर विराजमान हैं।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया

एलिएस्टर कुक को पीछे छोड़ पहले नंबर पर हुए काबिज

एजेंसी, नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रूट ने एशेज 2021-22 के दूसरे (डे-नाइट) टेस्ट मैच की दूसरी पारी खेली। वहीं पहली पारी में उन्होंने अपनी टीम के लिए 62 रन बनाए थे। दूसरी पारी में अपनी 24 रन की पारी के बाद वो इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तानों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। जो रूट अब टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान बन गए हैं। जो रूट ने बतौर टेस्ट कप्तान इंग्लैंड के लिए अब तक 4859 रन बनाए हैं और उन्होंने एलिएस्टर कुक को पीछे छोड़ दिया। कुक ने इंग्लैंड के लिए बतौर टेस्ट कप्तान 4844 रन बनाए थे और अब वो दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वहीं इस लिस्ट में 3815 रन के साथ माइक आथर्टन तीसरे नंबर पर जबकि ग्राहम गूच चौथे नंबर पर हैं और उन्होंने 3582 रन बनाए थे।

किसी भारतीय खिलाड़ी में है भविष्य में भारत के टेस्ट कप्तान बनने की क्षमता, पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी ने बताया नाम

दक्षिण अफ्रीका में टीम इंडिया ने शुरू की प्रैक्टिस

एजेंसी, नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका दौरे के लिए रोहित शर्मा के इंजर्ड होने के बाद केएल राहुल को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया। केएल राहुल को ये जिम्मेदारी दिए जाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सलमान बट ने उनका समर्थन भविष्य के कप्तान के तौर पर किया है क्योंकि पंजाब किंग्स के लिए उन्होंने आइपीएल में अच्छी कप्तानी की थी। भारत के लिए क्रिकेट के सभी प्रारूप में ओपनिंग बल्लेबाजी करने वाले केएल राहुल साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में विराट कोहली को असिस्ट करते नजर आएंगे। सलमान बट ने केएल राहुल को उप-कप्तान की जिम्मेदारी दिए जाने का स्वागत किया और इसके लिए बीसीसीआइ की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स की तरफ से आइपीएल में केएल राहुल अकेले फाइटर थे। उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए कप्तानी करने, विकेटकीपिंग व ओपनर की जिम्मेदारी निभाने वाले केएल राहुल को बहुमुखी प्रतिभा का धनी खिलाड़ी करार दिया। बट ने कहा कि केएल पंजाब किंग्स के लिए कप्तानी कर चुके हैं और बेहद सभ्य लीडर हैं ओर वो क्रिकेट के अच्छे विचारक हैं। बेशक आइपीएल में उनके पास एक मजबूत टीम नहीं थी, लेकिन वो अकेले फाइटर बनकर टीम के लिए सामने आए थे। सलमान बट ने आगे कहा कि केएल राहुल ने विकेट कीपिंग की और पारी की शुरुआत भी की जिससे पता चलता है कि वो जिम्मेदारियों को कितने बेहतरीन तरीके से संभाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप किसी भी खिलाड़ी को उप-कप्तान तभी बनाते हैं जब आप उसे भविष्य के लीडर के रूप में देखते हैं। केएल राहुल भारतीय टेस्ट टीम के भविष्य के कप्तान बन सकते हैं। बट ने कहा कि भारत विराट कोहली की कप्तानी में साउथ अफ्रीका की धरती पर अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीत सकता है। इस टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में रोहित शर्मा की जगह प्रियांक पांचाल को टीम में शामिल किया गया है।

साउथ अफ्रीका में अब ऐसा क्या होगा कि विराट कोहली के बल्ले से निकलेंगे खूब रन

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने बताई वजह

एजेंसी, नई दिल्ली। विराट कोहली की हालिया फार्म की वजह से क्रिकेट फैंस बेहद निराश हैं साथ ही साथ वो खुद भी इस मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकलना चाह रहे होंगे। विराट कोहली पिछले साल से शतक लगाने में सफल नहीं हो पाए हैं, हालांकि वो अच्छी पारियां खेल रहे हैं लेकिन वो बड़े स्कोर में तब्दील नहीं हो पा रहा है। अब विराट कोहली के लिए साउथ अफ्रीका दौरा अच्छा रहने वाला है और टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सबा करीम का ऐसा मानना है। सबा करीम टीम इंडिया के बान्डिंग सेशन की तस्वीरें और वीडियो देखकर काफी प्रभावित हुए और इसके बाद तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए भारतीय टीम की प्रैक्टिस की शुरुआत हुई। सबा करीम के मुताबिक वो इस वीडियो को देखकर काफी खुश हुए जिसमें भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली अपने साथी खिलाड़ियों के साथ मस्ती कर रहे थे साथ ही काफी एज्वाय भी कर रहे थे।

करीम ने कहा कि विराट कोहली अब काफी फ्री महसूस कर रहे होंगे और उनके पास अपने टेस्ट करियर को फिर से पुनर्जीवित करने का मौका है। इसके अलावा उनके पास अब उस तरह के खेल दिखाने का मौका है जैसा कि वो दो साल पहले कर रहे थे। विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपना आखिरी शतक साल 2019 में भारत में खेले गए डे-नाइट टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। सबा करीम ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे विराट कोहली के सिर से एक बड़ा बोझ हटा दिया गया है। अब वो खुले दिमाग से खेल सकते हैं और अपने टेस्ट करियर को नए सिरे से जीवित कर सकते हैं। इसके अलावा मुझे उम्मीद है कि वो बेहतर प्रदर्शन करेंगे जैसा कि वो दो साल पहले कर रहे थे। अगर वो अब खुले दिमाग और सही अप्रोच के साथ खेलते हैं तो वो अपने पुराने प्रदर्शन को दोहरा सकते हैं। मुझे विश्वास है कि अभ्यास सत्र में उन्होंने जिस तरह का फार्म दिखाया है वैसा ही फार्म मैदान पर भी नजर आएगा।

पांच वनडे और पांच टी20 मैचों के लिये पाकिस्तान लौटेगी न्यूजीलैंड टीम

पीसीबी ने दी जानकारी

एजेंसी, इस्लमाबाद। इस साल दौरा रद्द करने वाली न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम अप्रैल 2023 में सीमित ओवरों के दस मैचों के लिये पाकिस्तान लौटेगी। न्यूजीलैंड ने इस साल रावलपिंडी में पहले वनडे के लिये टॉस होने से ठीक पहले सुरक्षा कारणों से सीमित ओवरों का दौरा रद्द कर दिया था। इसके बाद टी20 विश्व कप से ठीक पहले इंग्लैंड ने भी संक्षिप्त दौरा रद्द कर दिया। अप्रैल 2023 में न्यूजीलैंड के पाकिस्तान दौरे पर पांच वनडे और पांच टी20 मैच खेलेगी। तारीखों और वेन्यू को लेकर अभी फैसला नहीं लिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि न्यूजीलैंड टीम दिसंबर 2022 में पाकिस्तान दौरा करके दो टेस्ट खेलेगी जो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे। पीसीबी ने कहा कि पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा और न्यूजीलैंड क्रिकेट के प्रमुख मार्टिन स्नीडन के बीच बातचीत में इस कार्यक्रम को मंजूरी दी गई। राजा ने कहा,'' मैं बातचीत के नतीजे से खुश हूं। मैं मार्टिन स्नीडन और बोर्ड को सहयोग के लिये धन्यवाद देता हूं।'' पाकिस्तान अब मार्च 2022 से अप्रैल 2023 के बीच आस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज , इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की आठ टेस्ट, 14 वनडे और 13 टी20 के लिये मेजबानी करेगा।